सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

शास्त्री ने टीम को सही रणनीति और संयोजन से उतरने की सलाह पेज: 7

प्रियंका चोपड़ा ने हॉलीवुड करियर को लेकर किए खुलासे पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 317 | गुरुवार 26 फरवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

'भारतीय राजनीति की महिला गजनी', प्रियंका गांधी के गाजा वाले बयान पर भाजपा का तीखा पलटवार

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय इजराइल यात्रा को लेकर देश में सियासी पारा चढ़ गया है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी द्वारा गाजा में 'नरसंहार' का मुद्दा उठाए जाने के बाद, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने उन पर बेहद कड़ा हमला बोला है। भाजपा ने प्रियंका गांधी को भारतीय राजनीति की महिला गजनी करार देते हुए उन पर 'सुविधाजनक आक्रोश' व्यक्त करने का आरोप लगाया है। महिला गजनी का यह संदर्भ 2008 की हिंदी फिल्म गजनी के एक पात्र से प्रेरित है जिसकी याददाश्त बार-बार चली जाती है और उसे सिर्फ कुछ देर ही बातें याद रहती हैं। भाजपा ने आरोप लगाया कि प्रियंका गांधी को गाजा में मानवीय संकट दिखता है लेकिन वह इजराइल में सात अक्टूबर के हमलों को भूल गई हैं। यह घटना ऐसे वक्त सामने आई है जब प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इजराइल की दो दिवसीय यात्रा पर रवाना होने

पीएम मोदी का 'मिशन दक्षिण' जारी, तमिलनाडु में जनसभा और मंदिर दर्शन से चुनावी शंखनाद!

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 फरवरी की रात चेन्नई पहुंचने के साथ ही दक्षिण भारत की एक महत्वपूर्ण यात्रा शुरू करेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शीर्ष सूत्रों के अनुसार, प्रधानमंत्री चेन्नई में राज्यपाल के आवास पर रात बिताएंगे। उनके आगमन से पहले पूरे शहर में सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्थाएं व्यापक रूप से की गई हैं। 1 मार्च की सुबह प्रधानमंत्री पुडुचेरी के लिए रवाना होंगे, जहां वे एक जनसभा में भाग लेंगे और एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। इस यात्रा में प्रमुख विकास पहलों और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डाला जाएगा और स्थानीय नेताओं, अधिकारियों और पार्टी कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। पुडुचेरी में

अपने कार्यक्रम समाप्त करने के बाद, प्रधानमंत्री मदुरै के लिए रवाना होंगे, जिसे अक्सर "कभी न सोने वाला शहर" कहा जाता है और जो तमिलनाडु के सबसे सांस्कृतिक रूप से महत्वपूर्ण केंद्रों में से एक है। अपने मदुरै दौरे के दौरान, प्रधानमंत्री ऐतिहासिक तिरुपरनकुंड्रम मुरुगन मंदिर में दर्शन और प्रार्थना करेंगे। यह मंदिर भगवान मुरुगन के छह पवित्र निवासों (अरुपदई वीडु) में से एक है और एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है। गौरतलब है कि यह वही मंदिर है जो हाल ही में कार्तिकई दीपम विवाद के बाद सुर्खियों में आया था। मंदिर दर्शन के बाद, वे मदुरै में एक भव्य जनसभा में भाग लेंगे और उसे संबोधित करेंगे। इस रैली में दक्षिणी जिलों के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की उम्मीद है, जिनमें नेता और समर्थक प्रधानमंत्री का भाषण सुनने के लिए एकत्रित होंगे। प्रधानमंत्री के इस दौरे से क्षेत्र में जनसंपर्क प्रयासों को सुदृढ़ करने के साथ-साथ सांस्कृतिक विरासत, बुनियादी ढांचे के विकास और जन कल्याणकारी पहलों को उजागर करने की उम्मीद है। इस बीच, तमिलनाडु विधानसभा के 234 सदस्यों के लिए 2026 के पहले छह महीनों में चुनाव होंगे, जहां एमके स्टालिन के नेतृत्व वाला गठबंधन भाजपा-एआईएडीएमके गठबंधन के खिलाफ जीत हासिल करने के लिए 'द्रविड़ मॉडल 2.0' को पेश करने की कोशिश करेगा। अभिनेता से राजनेता बने विजय की पार्टी, तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के साथ मैदान में उतरने से तमिलनाडु चुनाव त्रिकोणीय मुकाबले में तब्दील होने की आशंका है। 2021 के चुनावों में, डीएमके ने 133 विधानसभा सीटें जीतीं। कांग्रेस ने 18, पीएमके ने पांच, वीसीके ने चार और अन्य दलों (स्वतंत्र उम्मीदवारों सहित) ने आठ सीटें जीतीं।

डीएमके के नेतृत्व वाले धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन (एसपीए), जिसमें कांग्रेस भी शामिल थी, ने कुल 159 सीटें जीतीं। एनडीए ने 75 सीटें जीतीं, जबकि एआईएडीएमके 66 सीटों के साथ गठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी।

इस यात्रा को 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले दक्षिण

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 1 मार्च को तमिलनाडु और पुडुचेरी का दौरा करेंगे, जहां वे जनसभाओं को संबोधित करेंगे और मदुरै के ऐतिहासिक तिरुपरनकुंड्रम मुरुगन मंदिर में दर्शन करेंगे। इस यात्रा को 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले दक्षिण में भाजपा की राजनीतिक पैठ मजबूत करने और विकास परियोजनाओं को उजागर

पूसा मेला में गरजे मंत्री शिवराज चौहान: किसानों की सब्सिडी में अब नहीं चलेगी कोई भी धांधली

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को राष्ट्रीय राजधानी में आईसीएआर-आईएआरआई परिसर में तीन दिवसीय पूसा कृषि विज्ञान मेले का उद्घाटन किया। उन्होंने भारतीय कृषि को "विकसित कृषि-आत्मनिर्भर भारत" की ओर ले जाने के उद्देश्य से व्यापक सुधार एजेंडा की रूपरेखा प्रस्तुत की। एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मंत्री ने स्पष्ट संदेश दिया कि किसानों के भुगतान में देरी, प्रक्रियात्मक अड़चनें और कमजोर निगरानी प्रणाली अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) में आयोजित इस वार्षिक मेले का उद्घाटन एक औपचारिक वृक्षारोपण

अभियान के साथ किया गया। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस कार्यक्रम में कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी, आईसीएआर के महानिदेशक एमएल जाट और आईएआरआई के निदेशक सी.एच. श्रीनिवास राव के साथ-साथ वैज्ञानिक, प्रगतिशील किसान और संस्थागत प्रतिनिधि उपस्थित थे। नीति निर्माण में किसानों को प्राथमिकता देते हुए, चौहान ने किसानों के साथ मंच साझा किया और व्यक्तिगत रूप से एक दिव्यांग किसान की सहायता की, जिससे मंत्रालय द्वारा वर्णित किसान सर्वोपरि दृष्टिकोण को बल मिला। इस कार्यक्रम के दौरान सात किसानों को आईएआरआई कृषि अध्येता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। बकाया भुगतान के संबंध में मंत्री ने चेतावनी दी कि किसानों के भुगतान में देरी करने वाली किसी भी एजेंसी या राज्य सरकार को रोकी गई राशि पर 12% ब्याज देना होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राज्य स्तर पर देरी होने की स्थिति में केंद्र सरकार किसानों के बैंक खातों में सीधे अपना हिस्सा हस्तांतरित करने के लिए उपाय तलाशेगी। उन्होंने कहा कि किसानों के धन को रोककर देरी से लाभ कमाना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कृषि मशीनीकरण और सब्सिडी से जुड़ी योजनाओं पर चौहान ने बताया कि 18 से अधिक केंद्रीय योजनाएं राज्यों के माध्यम से लागू की जा रही हैं, लेकिन उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी निगरानी की आवश्यकता पर बल दिया कि लाभ वास्तविक किसानों तक पहुंचे। उन्होंने ऐसे मामलों का उदाहरण दिया

पीएम मोदी की इजराइल यात्रा पर कांग्रेस का बड़ा हमला, पवन खेड़ा ने पूछा- किसके कहने पर जाते हैं विदेश?

नई दिल्ली एजेंसी: कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं पर सवाल उठाए, ठीक उसी समय जब प्रधानमंत्री द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए दो दिवसीय इजराइल दौरे पर पहुंचे। पीयूष गोयल की "राहुल गांधी समझौता कर चुके हैं" वाली टिप्पणी पर पलटवार करते हुए खेड़ा ने भाजपा से कहा कि वह पिछली सरकारों पर संदेह जताने के बजाय मौजूदा सरकार पर उठ रहे सवालों का जवाब दे। एएनआई से बात करते हुए पवन खेड़ा ने कहा कि क्या राहुल गांधी प्रधानमंत्री हैं? प्रधानमंत्री किसके कहने पर विदेश जाते हैं? किसके दबाव में उन्होंने व्यापार समझौते पर सहमति जताई? सरकार में कौन है? अगर लोग हमसे

नाराज हैं, तो यह उनके (जनता के) और हमारे बीच की बात है। अब, 12 साल सत्ता में रहने के बाद आपको इन सवालों का जवाब देना चाहिए। एपस्टीन से आपका क्या संबंध है? आप क्यों डर रहे हैं? प्रधानमंत्री मोदी अपने इजरायली समकक्ष बेंजामिन नेतन्याहू के निमंत्रण पर दो दिवसीय राजकीय यात्रा के लिए तेल अवीव, इजरायल पहुंच गए हैं। इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच "मजबूत और बहुआयामी रणनीतिक साझेदारी" को और गहरा करना है। यूनाइटेड किंगडम शिखर सम्मेलन में यूथ कांग्रेस के विरोध प्रदर्शन को लेकर चल रहे राजनीतिक विवाद के मद्देनजर, कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने भी प्रधानमंत्री से भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते पर सवाल उठाए। मसूद ने प्रधानमंत्री मोदी से फिलिस्तीन के साथ जारी युद्ध को लेकर इजरायली संसद से भी सवाल करने को कहा। इमरान मसूद ने कहा कि यह सौभाग्य की बात है कि यूथ कांग्रेस का नेता इस लड़ाई का नेतृत्व कर रहा है और हम सब उसके साथ हैं। प्रधानमंत्री ने (अमेरिका के साथ) समझौते के जरिए देश को खतरे में डालकर घोर अन्याय किया है।

अब 'विश्वगुरु' को इजरायल की संसद में खड़े होकर यह सवाल करने का साहस दिखाना चाहिए कि उन्होंने गाजा के निर्दोष बच्चों को क्यों मारा। कांग्रेस की यह प्रतिक्रिया केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के उस आरोप के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि गांधी परिवार पूरी तरह से समझौतावादी राजनीतिक परिवार है और कांग्रेस एक समझौतावादी राजनीतिक दल है।

इजराइल में पीएम मोदी का गर्मजोशी से स्वागत, स्वागत समारोह बना यादगार

नई दिल्ली एजेंसी: इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सपत्नी भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया। विमान से उतरते ही नेतन्याहू ने बाहें फैलाकर अपने मित्र मोदी का अभिनंदन किया। दोनों नेताओं ने हाथ मिलाया और गले मिले। इसी दौरान एक हल्का-फुल्का पल ऐसा भी आया, जिसने प्रधानमंत्री मोदी को खिलखिलाकर हंसने पर मजबूर कर दिया। ड्रेस और पॉकेट स्क्वायर से जुड़ा खास पल स्वागत के समय सारा नेतन्याहू ने भगवा (सैफरन) रंग का फॉर्मल सूट पहना था। नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री मोदी के जैकेट में लगे पॉकेट स्क्वायर की ओर इशारा करते हुए कहा कि यह उससे मैच कर रहा है। इस टिप्पणी के बाद दोनों प्रधानमंत्री और सारा नेतन्याहू ठहाके लगाकर हंस पड़े और माहौल खुशनुमा हो गया। पीएम नेतन्याहू ने पीएम मोदी का मेरे मित्र कहकर किया स्वागत नेतन्याहू ने एक्स पर

स्वागत का वीडियो क्लिप साझा करते हुए लिखा—मैं अपने मित्र नरेंद्र मोदी का इजराइल में स्वागत करता हूं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की सराहना करते हुए उन्हें एक महान नेता बताया। बेन गुरियन एयरपोर्ट पर औपचारिक स्वागत प्रधानमंत्री मोदी दो दिवसीय राजकीय यात्रा पर इजराइल पहुंचे हैं। बेन गुरियन हवाई अड्डा पर उनका औपचारिक स्वागत किया गया। बीते 9 वर्षों में यह उनकी दूसरी इजराइल यात्रा है। इससे पहले वे जुलाई 2017 में यहां आए थे। नेसेट संबोधन और प्रमुख कार्यक्रम प्रधानमंत्री मोदी अपने तय कार्यक्रम के अनुसार नेसेट को संबोधित करेंगे और ऐसा करने वाले वे पहले भारतीय प्रधानमंत्री होंगे। वे भारतीय समुदाय के कार्यक्रम और टेक्नोलॉजी प्रदर्शनी में भी शामिल होंगे। यरूशलम पोस्ट का विशेष फ्रंट पेज इजराइली अखबार द यरूशलम पोस्ट ने प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत में विशेष फ्रंट पेज प्रकाशित किया। इसमें उनकी तस्वीर के साथ हिंदी में नमस्ते और हिब्रू भाषा में शालोम लिखा गया, जिसका अर्थ नमस्ते या शांति होता है।

बिहार में बढ़ा अपराध: तेजस्वी का एनडीए पर हमला- 'अपराधियों का राज, कानून-व्यवस्था पूरी तरह फेल'

बिहार एजेंसी: राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता और बिहार में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने बुधवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा हमला बोलते हुए राज्य में अपराध में भारी वृद्धि और कानून-व्यवस्था के पूरी तरह चरमरा जाने का आरोप लगाया। यादव ने कहा कि राज्य सरकार की विश्वसनीयता पूरी तरह खत्म हो चुकी है। पत्रकारों से बात करते हुए तेजस्वी यादव ने कहा कि अपराध दिन-ब-दिन बढ़ रहा है। हर दिन हत्याएं, बलात्कार और गोलीबारी हो रही है। इससे पता चलता है कि सरकार की विश्वसनीयता पूरी तरह खत्म हो चुकी है... कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। तेजस्वी यादव ने कहा कि इस मौजूदा सरकार में अपराधियों का राज चल रहा है। सरकार में कोई भी, चाहे मुख्यमंत्री हों या दोनों उपमुख्यमंत्री, जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। नीतीश कुमार भी कमजोर पड़ गए हैं। उन्हें याद नहीं रहता कि क्या हो रहा है और क्या नहीं हो रहा है। उन्होंने राज्य की राजनीतिक गतिशीलता की ओर इशारा करते हुए कहा कि आप देख सकते हैं कि नीतीश कुमार ने राज्य का गृह मंत्रालय कभी किसी को नहीं दिया। लेकिन अब उन्हें इसे भाजपा को देना होगा। तेजस्वी यादव ने आत्मनिरीक्षण किए बिना कानून-व्यवस्था की स्थिति को उजागर करने वालों की आलोचना करते हुए कहा कि और जो लोग राज्य में अपराध की बात जोर-शोर से करते हैं, उन्हें पहले खुद को देखना चाहिए। कानून-व्यवस्था अब पूरी तरह से चरमरा गई है। इससे पहले सोमवार को बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि राज्य सरकार कानून का शासन स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। सिन्हा ने कहा कि विपक्ष की अपनी भूमिका है,

राहुल गांधी के आरोपों पर भड़के नितिन गडकरी, बोले- कांग्रेस ने रणनीतिक अवसरों को कमजोर किया

नई दिल्ली एजेंसी: केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कांग्रेस पर भारत के पड़ोसी देशों के साथ सीमा वार्ता में "अवसरों को कमजोर करने" का आरोप लगाया और तिब्बत और कश्मीर पर पिछली सरकार के फैसलों पर संदेह जताया। एक पोस्ट में, गडकरी ने कांग्रेस को अपारदर्शी राजनीतिक चंदा मिलने और सत्ता और विशेषाधिकार के बीच की रेखा धुंधली होने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा कि दशकों से कांग्रेस का रिकॉर्ड गंभीर सवाल खड़े करता है। बार-बार रणनीतिक अवसरों को कमजोर किया गया, चाहे वह वैश्विक स्थिति हो, सीमा वार्ता हो या युद्ध के बाद का प्रभाव। तिब्बत, कश्मीर, बेरूबारी जैसे मुद्दे और बाद में वार्ता की मेजों पर दी गई रियायतों को केवल अलग-थलग फैसले कहकर खारिज नहीं किया जा सकता। गडकरी ने कहा कि इसमें बार-बार होने वाले खरीद विवाद, अपारदर्शी राजनीतिक चंदे की चिंताएं और सत्ता और विशेषाधिकार के बीच की धुंधली

रेखा को भी जोड़ें'। जब राष्ट्रीय सीमाएं बातचीत के दायरे में आ जाती हैं, तो संस्थाएं कमजोर हो जाती हैं और जनता का विश्वास कम हो जाता है। इतिहास को ईमानदारी से देखने की जरूरत है, न कि चुनिंदा यादों की। यह घटनाक्रम राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर किए गए हमले के जवाब में भाजपा नेताओं द्वारा समझौते वाली कांग्रेस के आरोपों के बाद सामने आया है। राहुल गांधी ने भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते को लेकर प्रधानमंत्री पर "समझौते" का आरोप लगाया था। आज सुबह केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने आरोप लगाया कि गांधी परिवार पूरी तरह से समझौतावादी राजनीतिक परिवार है और कांग्रेस एक समझौतावादी राजनीतिक दल है। भाजपा मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए गोयल ने पूर्व प्रधानमंत्रियों राजीव गांधी, इंदिरा गांधी और जवाहरलाल नेहरू के कुछ फैसलों की भी आलोचना की। गोयल ने कांग्रेस पर "भ्रष्टाचार" का आरोप लगाते हुए कहा कि राहुल गांधी का मतलब समझौता है।

राहुल गांधी ने की कोटद्वार के दीपक की तारीफ, कहा- 'असली देशभक्ति, तिरंगे-संविधान को बचाया'

नई दिल्ली एजेंसी: लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को जिम ट्रेनर दीपक कुमार से हुई मुलाकात की सराहना करते हुए उनकी साहस और देशभक्ति की प्रशंसा की। अपनी मुलाकात का वीडियो साझा करते हुए गांधी ने लिखा कि सद्भाव और प्रेम की विचारधारा लाखों भारतीयों के दिलों में बसी है, लेकिन उनके मन में भय भी है - दीपक ने अपने साहस से उन सभी को सही राह दिखाई है। उन्होंने आगे कहा कि जो लोग नफरत फैलाने और समाज को डराने की कोशिश करते हैं, वे वास्तव में कायर हैं - उनसे कभी मत डरो। दीपक ने हमारे तिरंगे और हमारे संविधान की रक्षा की है। उन्होंने नफरत के खिलाफ मजबूती से खड़े होकर कमजोरों की रक्षा की - इससे बड़ी देशभक्ति और कोई नहीं। इससे पहले सोमवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने जिम ट्रेनर दीपक से मुलाकात की, जो पिछले महीने कोटद्वार के अहमद बाबा स्कूल ड्रेस एंड मैचिंग सेंटर के बचाव में आने के कारण सुर्खियों में थे। यह घटना 26 जनवरी को घटी, जब कुछ लोगों ने दुकानदार से दुकान का नाम बदलने की मांग की। दुकानदार द्वारा उनकी मांग मानने से इनकार करने पर विवाद खड़ा हो गया। बताया जाता है कि जिम ट्रेनर दीपक कुमार ने भीड़ का सामना किया, जिसके

बाद 31 जनवरी को विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। पुलिस ने वीडियो फुटेज के आधार पर एफआईआर दर्ज की और लोगों से सोशल मीडिया पर घटना को सनसनीखेज न बनाने का आग्रह किया। पौड़ी गढ़वाल के एसएसपी सर्वेश पंवार ने कहा कि पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायतों के आधार पर मामले दर्ज किए हैं।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कोटद्वार के जिम ट्रेनर दीपक कुमार की प्रशंसा करते हुए उन्हें सच्चा देशभक्त बताया है, जिन्होंने एक दुकानदार को भीड़ से बचाया था। गांधी ने कहा कि दीपक ने नफरत के खिलाफ खड़े होकर हमारे तिरंगे और संविधान की

उन्होंने एएनआई को बताया कि 31 जनवरी को प्रदर्शनकारियों ने दीपक कुमार के पास जाकर सड़क जाम कर दी। एसएसपी पंवार ने कहा कि 26 जनवरी को एक दुकान का नाम बदलने को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद हुआ। हमें दोनों पक्षों से शिकायतें मिलीं और हमने एफआईआर दर्ज की। 31 जनवरी को कुछ बाहरी लोग दीपक के घर आए और सड़क जाम कर दी। पुलिस ने मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए उनके खिलाफ मामला दर्ज किया। मैं सभी से आग्रह करता हूं और अपील करता हूं कि शांति भंग न करें और सांप्रदायिक सद्भाव को न बिगाड़ें। दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसी बीच, जिम ट्रेनर दीपक कुमार ने बताया कि कुछ लड़कों द्वारा दुकानदार के साथ दुर्व्यवहार करने के बाद मामला सांप्रदायिक तनाव में बदल गया। दीपक ने अपने खिलाफ दर्ज मामले पर सवाल उठाते हुए दावा किया कि विवाद की शुरूआत दूसरे पक्ष ने की थी। दीपक कुमार ने एएनआई को बताया कि मैं और मेरे दोस्त गणतंत्र दिवस मना रहे थे, तभी हम अपने एक दोस्त की दुकान पर गए। कुछ लड़के दुकान पर आए और दुकान के नाम को लेकर दुकानदार से बदतमीजी करने लगे। मैंने उनसे बदतमीजी बंद करने को कहा, लेकिन उन्होंने जवाब दिया कि उनके धर्म में 'बाबा' शब्द केवल सिद्धबली बाबा के लिए इस्तेमाल होता है, किसी और के लिए नहीं, और दुकानदार को दुकान का नाम बदलना होगा। दुकानदार ने इनकार कर दिया, और बहस सांप्रदायिक मुद्दे में बदल गई।

संपादकीय

आतंक की परिभाषा तो बताओ

भारत आतंकवाद से छिला, जख्मी और असमय मौतों का देश है, लिहाजा आतंकवाद रोधी राष्ट्रीय नीति का स्वागत है। हम 1980 के दशक से बहुस्तरीय, बहुचेहरी आतंकवाद झेलते आए हैं। उसमें पाकपरस्त इस्लामी, जेहादी आतंकवाद है और पूर्वोत्तर के उग्रवाद भी हैं। खालिस्तानी आतंकवाद का सफाया हो चुका है। उसके बचे-खुचे खाडकू पाकिस्तान, कनाडा, अमरीका, जर्मनी आदि देशों में हैं और वे भारत-विरोधी प्रदर्शन करते रहते हैं। देश में नक्सली आतंकवाद ने भी असंख्य लाशें बिछाई हैं, लेकिन आज उसका अस्तित्व भी समाप्ति के कगार पर है। आतंकवाद ने 40-50 हजार जिंदगियां छीनी हैं। दूसरा आंकड़ा 70-80 हजार का है। जो भी हो, ये आंकड़े बेहद भयानक और खौफजदा हैं। यह हमारी सेना, अर्द्धसैन्य बलों और स्थानीय पुलिस की रणनीति का ही कमाल है कि आज भारत में इस्लामी अलगाववाद के अवशेष भी नहीं हैं। जो आतंकी हमले हाल ही में किए गए हैं, वे पाकिस्तानी आतंकियों ने किए हैं। अब जिन साजिशों के सुराग मिल रहे हैं और संदिग्ध आतंकियों की धरपकड़ की जा रही है, वे भी पाकिस्तान के लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मुहम्मद सरीखे आतंकी संगठनों के कथित 'जेहादी' हैं। आज पंजाब और पूर्वोत्तर में आतंकवाद नहीं है, कुछ स्थानीय जातीय हिंसक विवाद जरूर हैं, लेकिन आतंकवाद के हत्यारे खतरे जरूर मंडरा रहे हैं, लिहाजा प्रधानमंत्री मोदी प्रत्येक वैश्विक मंच पर आतंकवाद का जिक्र करते हैं और देशों के साथ समझौते करते हैं कि आतंकवाद एक साझा लड़ाई है। मानवता के लिए साझा खतरा है, आओ मिल कर आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ें। बहरहाल इस संदर्भ में भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने देश की सर्वप्रथम आतंकवाद-रोधी राष्ट्रीय नीति की घोषणा की है। नाम दिया गया है-'प्रहार।' अर्थात् प्रिवेंशन, रिस्पांस एंड हेल्थिंग अप्रोच टू एंटी टेररिज्म। पहली बार डिजिटल खतरे को भी ह्यआतंकवादह्न माना गया है। इन खतरों में भारत को निशाना बनाते हुए किए गए साइबर हमले, आपराधिक हैकिंग, डार्क वेब, क्रिप्टो वॉलेट आदि नई तकनीकों के जरिए किए जाने वाले आतंकी वित्तपोषण भी शामिल हैं। इनसे निपटने की रणनीति बनाई जा रही है। 'प्रहार' में साफ किया गया है कि भारत आतंकवाद को किसी विशेष संप्रदाय, जातीयता, राष्ट्रीयता अथवा सभ्यता से नहीं जोड़ता। इसका बुनियादी मकसद आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति को अधिक प्रभावी ढंग से लागू करना है।

चिंतन-मनन

शरीर तो मंदिर है

आस्तिकता और कर्त्तव्यपरायणता की सद्वृत्ति का प्रभाव सबसे पहले सबसे समीपवर्ती स्वजन पर पड़ना चाहिए। हमारा सबसे निकटवर्ती सम्बन्धी हमारा शरीर हैं। उसके साथ सद्व्यवहार करना, उसे स्वस्थ और सुरक्षित रखना अत्यावश्यक है। शरीर को नर कहकर उसकी उपेक्षा करना अथवा उसे सजाने-संवारने में सारी शक्ति खर्च कर देना, दोनों ही ढंग अकल्याणकारी हैं। शरीर हमारा सदा सहायक सेवक है। वह चौबीसों घंटे सोते-जागते हमारे लिए काम करता रहता है। वह अपनी सामर्थ्य भर आज्ञा पालन के लिए तत्पर रहता है। उसकी पांच ज्ञानेन्द्रियां न केवल ज्ञान वृद्धि का दायित्व उठाती हैं, वरन अपने-अपने ढंग से अनेक रसास्वादन भी कराती रहती हैं। इन विशेषताओं के कारण आत्मा उसकी सेवा-साधना पर मुग्ध हो जाती है और अपना सुख ही नहीं, अस्तित्व तक भूल उसी में रम जाती है। यह घनिष्ठता इतनी सघन हो जाती है कि व्यक्ति आत्मा की सत्ता और आवश्यकता तक भूल जाता है और शरीर को अपना ही आपा मानने लगता है। ऐसे वफादार सेवक को समर्थ, निरोग एवं दीर्घजीवी बनाए रखना प्रत्येक विचारशील का कर्त्तव्य है। चाहते तो सभी ऐसा ही हैं, पर जो रहन-सहन, आहार-विहार अपनाते हैं, वह विधा ऐसी उल्टी पड़ जाती है कि उसके कारण अपने प्रिय पात्र को अपार हानि उठानी पड़ती है और रोता-कलपता, दुर्बलता से ग्रसित होकर व्यक्ति असमय दम तोड़ देता है। स्वस्थ-समर्थ रहना कठिन नहीं है। प्रकृति के संकेतों का अनुसरण करने भर से यह प्रयोजन सिद्ध हो सकता है। प्रकृति के संदेश-संकेतों को जब सृष्टि के सभी जीवधारी मोटी बुद्धि होने पर भी समझ लेते हैं तो कोई कारण नहीं कि मनुष्य जैसा बुद्धिजीवी उन्हें न अपना सके। प्रकृति के स्वास्थ्य रक्षा के नियमों के लिए गुरुगम्य ज्ञान की आवश्यकता नहीं। वे सहज समझे और निबाहे जा सकते हैं। उचित-अनुचित का निर्णय करने वाले यंत्र इसी शरीर में लगे हैं, जो तत्काल बात देते हैं कि क्या करना चाहिए, क्या नहीं। आहार-विहार का ध्यान रखने से स्वास्थ्य रक्षा की समस्या हल हो जाती है। आहार प्रमुख पक्ष है, जिसे स्वास्थ्य अनुशासन का पूर्वार्ध कहा जा कसता है। उत्तरार्ध में विहार आता है, जिसका तात्पर्य है नित्य कर्म, शौच, स्नान, शयन, परिश्रम, संतोष आदि। शरीर रूपी मन्दिर को मनमानी बुरी आदतों के कारण रुग्ण बनाना प्रकृति की दृष्टि में बड़ा अपराध है। उसके फलस्वरूप पीड़ा बेचैनी, अशक्ति, अल्पायु, आर्थिक हानि और तिरस्कार जैसे दंड भोगने पड़ते हैं।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

कश्मीर से कोलकाता तमिलनाडु तक आतंक के तार

मनोज कुमार अग्रवाल

हाल ही में देश में एक बार फिर बड़ी आतंकी साजिश बेनकाब हुई है. पाकिस्तान आइएसआइ और बांग्लादेश के आतंकी संगठनों की शह पर बड़ी आतंकी साजिश रचने वाले 8 संदिग्धों को कल गिरफ्तार किया गया . उनकी गिरफ्तारी को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। बीते दस दिनों में दिल्ली और कोलकाता के कई इलाकों में 'फ्री कश्मीर' और 'कश्मीर में जनसंहार बंद करो' जैसे पोस्टर लगाने की घटना के बाद शुरू हुई जांच अब एक अंतरराष्ट्रीय आतंकी नेटवर्क तक पहुंच गई है. इस पूरे ऑपरेशन में अब तक कुल 8 संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है 6 तमिलनाडु से और 2 पश्चिम बंगाल से हैं। जांच एजेंसियों के अनुसार, पोस्टर लगाने की घटना के बाद संदिग्ध तुरंत दिल्ली और कोलकाता से निकलकर अपने-अपने ठिकानों पर लौट गए थे. इस मामले में सबसे पहले मालदा से दो आरोपियों की गिरफ्तारी हुई, जिनसे पूछताछ और मोबाइल डेटा एनालिसिस के आधार पर तमिलनाडु में सक्रिय मॉड्यूल का पता चला. इसके बाद तिरुप्पुर जिले के उथुकुली (2), पल्लडम (3) और तिरुमुरुगनपूंडी (1) स्थित गारमेंट यूनिट्स पर छापेमारी करते हुए छह और आरोपियों को पकड़ा गया.तमिलनाडु से गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान मिजानुर रहमान, मोहम्मद शबत, उमर, मोहम्मद लितान, मोहम्मद शाहिद और मोहम्मद उज्जल के रूप में हुई है. इनमें से अधिकांश के बारे में पता चला है कि वे बांग्लादेशी नागरिक हैं और भारत में फर्जी आधार कार्ड व नकली पहचान के जरिए रह रहे थे. सभी को पूछताछ के लिए दिल्ली लाया जा रहा है.

जांच में सामने आया है कि इनका सीधा या परोक्ष संबंध पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI और बांग्लादेश के आतंकी संगठनों से था. कुछ संदिग्ध हाल ही में बांग्लादेश भी गए थे, जहां वे सक्रिय आतंकी नेटवर्क के संपर्क में आए.

सुरक्षा एजेंसियों ने कोलकाता में आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की गहरी पैठ और एक सुनियोजित साजिश का सनसनीखेज खुलासा किया है। खुफिया सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार संदिग्ध आतंकी उमर फारूक ने कोलकाता महानगर को ही अपना मुख्य परिचालन केंद्र बना लिया था और वह लश्कर के एक सक्रिय हैंडलर के तौर पर काम कर रहा था। जांच में यह तथ्य सामने आया है कि उमर का संपर्क मार्च 2025 में कश्मीर निवासीसब्बिर अहमद लोन से हुआ था, जिसके बाद कोलकाता को दहलाने की खतरनाक साजिश की पटकथा लिखी गई। इस नेटवर्क ने सुरक्षा एजेंसियों को चकमा देने के लिए न केवल हिंदू नामों का सहारा लिया, बल्कि शहर के अति-संवेदनशील धार्मिक स्थलों की रेकी कर उनके वीडियो सीमा पार अपने आकाओं को भेजे।खुफिया एजेंसियों के दावे के मुताबिक, हैंडलर सब्बिर के सीधे निर्देश पर उमर ने कोलकाता में एक किराए का मकान लिया था. जिसे साजिश को अंजाम देने के लिए सेफ हाउस के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था। जांच में सबसे चौंकाने वाला खुलासा यह हुआ है कि आतंकियों के निशाने पर चांदनी चौक इलाके के पास स्थित एक प्रमुख मंदिर था। उमर और उसके साथियों ने अपनी पहचान छिपाकर इस मंदिर की येह ली और उसका विस्तृत वीडियो बनाकर कश्मीर मेंबैठे अपने हैंडलर को भेजा। माजिश का दायरा केवल रेकी तक सीमित नहीं था सुरक्षा बलों को पुख्ता इनपुट मिले हैं कि यह मॉड्यूल शहर में विस्फोटक और आधुनिक हथियार जुटाने की प्रक्रिया भी शुरू कर चुका था। दिसंबर 2024 से ही कोलकाता के विभिन्न हिस्सों में रेकी की जा रही थी और माहौल को अस्थिर करने के लिए देश विरोधी पोस्टर लगाने की भी योजना बनाई गई थी। उमर और उसके गिरोह नैखेची-समझी रणनीति के तहत हिंदू नामों का उपयोग किया ताकि स्थानीय लोगों और पुलिस की

रडार से बचा जा सके। खुफियाअधिकारियों का मानना है कि यदि समय रहते इस मॉड्यूल का पदार्फाश नहीं होता, तो कोलकाता किसी बड़ी आतंकी त्रासदी का गवाह बन सकता था। फिलहाल, सुरक्षा एजेंसियां उग्र से मिली जानकारी के आधार पर इस नेटवर्क की अन्य कड़ियों को

जोड़ने में जुटी है और यह पता लगाया जा रहा है कि महानगर में उन्हें स्थानीय स्तर पर औरकिन लोगों से रसद व अन्य सहायता मिल रही थी।एसटीएफ ने दूसरे के आधार कार्ड पर भारतीय सिम सक्रिय कर उनका ओटीपी पाकिस्तान भेजने बाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मुर्शिदाबाद के बहारमपुर से पकड़े गए आरोपी का नाम सुमन शेख है। वह पुणे में काम के दौरान पाकिस्तानी हैंडलरों के संपर्क में आया था। जांच में खुलासा हुधा है कि सुमन फर्जी आधार कार्ड के जरिए प्री-एक्टिवेटेड सिम खरीदता और उनके नंबर व व्हाट्सऐप ओटीपी सीमा पार भेज देता था। इसके बदले उसे क्रिप्टोकरेंसी में भुगतान किया जाता था। इन सिम कार्डस का इस्तेमाल जासूसी या साइबर ठगी के लिए होने की आशंका है। पुलिस सूत्रों के मुताविक, इस नेटवर्क के पीछे पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ हो सकता है। आपको पता रहे कि मालदा जिले के मानिकचक थाना अंतर्गत गोपालपुर ग्राम पंचायत के अशिनटोला गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब सुरक्षा एजेंसियों ने लश्कर-ए-तैयबा जैसे प्रतिबंधित आतंकी संगठन से जुड़े होने के संदेह में उमर फारूक नामक युवक को गिरफ्तार किया। साठवीं कक्षा तक पढ़े इस युवक की गिरफ्तारी ने न केवल इलाके में सनसनी फैला दी है, बल्कि राज्य में सक्रिय आतंकी मॉड्यूल्स की मौजूदगी को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि, इस पूरे मामले में सबसे अधिक चौंकाने वाली बात उमर फारूक के परिवार के सदस्यों द्वारा दिए गए बयानों में मौजूद भारी विरोधाभास है । उमर फारूक की मां ने अपने बयान में एक और बेटे की नासमझी का तर्क दिया है तो दूसरी और अनजाने में ही सही पर एक गंभीर संलिप्तता की ओर इशारा किया है। उनका कहना है कि उमर पूरी तरह अशिक्षित है और उसे किसी भी संगठन की विचारधारा की समझ नहीं है। मां के अनुसार, संभव है कि पैसों के लालच में आकर उसने कुछ पोस्टर लगाए हों, लेकिन उसे यह बिल्कुल भी पता नहीं था कि वे पोस्टर किसी उग्रवादी संगठन के हैं। उन्होंने दावा किया कि उनका बेटा किसी भी प्रकार की राष्ट्रविरोधी गतिविधि में जानबूझकर शामिल नहीं हो सकता। यहीं दूसरी ओर, उमर की पत्नी ने अपनी सास के दावे को पूरी तरह से खारिज करते हुए अपने पति को बेकसूर और साजिश का शिकार बताया है। पत्नि का कहना है कि उम्र सालों से कोलकाता में मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहा था और उन्होंने कभी भी उसके व्यवहार में कोई संदिग्ध बदलाव या किसी अज्ञात व्यक्ति से उसके संपर्क को नहीं देखा। एजेंसियां फिलहाल उबर के इन अलग-अलग दावों और पारिवारिक विरोधाभासों की बारीकी से जांच कर रही हैं। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि क्या यह कोलकाता में मजदूरी की आड़ में किसी आतंकी मॉड्यूल के लिए स्लीपर सेल के रूप में काम कर रहा था। अधिकारियों का मानना है कि परिवार के बयानों में यह अंतर किसी बड़ी सच्चाई को छिपाने की कोशिश भी हो सकता है। फिलहाल पूछताछ और तकनीकी साक्ष्यों के जरिए यह स्पष्ट करने का प्रयास किया जा रहा है कि उमर की वास्तविक भूमिका क्या थी और वह किन लोगोंके निर्देश पर काम कर रहा था।

दरअसल इन पोस्टर्स का उद्देश्य सोशल नैरेटिव को प्रभावित करना और भारत में अस्थिरता पैदा करना था.जांच एजेंसियां अभी यह पता लगाने में जुटी हैं कि क्या इन आरोपियों का भारत के किसी स्थानीय मॉड्यूल या अन्य संगठनों से भी संपर्क था. शुरूआती इनपुट बताते हैं कि इस नेटवर्क में कुछ और लोग भी शामिल हो सकते हैं, जिनकी तलाश जारी है. फिलहाल 8 संदिग्धों की गिरफ्तारी के साथ सुरक्षा एजेंसियां इसे भारत में सक्रिय एक बड़ी संगठित आतंकी साजिश का महत्वपूर्ण भंडाफोड़ मान रही हैं.वहीं सुरक्षा एजेंसियों को तमिलनाडु और कोलकाता में आतंकी के तार मिलने से हैरत है।

'केरल' से 'केरलम': पहचान की पुनर्स्थापना या राजनीतिक रणनीति?

कांतिलाल मांडोत

नाम परिवर्तन के फैसले के लाभ-हानि, चुनावी असर और भाजपा के संभावित फायदे की पड़ताल...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट बैठक में केरल का नाम बदलकर 'केरलम' करने के प्रस्ताव को मंजूरी मिलना केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, राजनीतिक और संवैधानिक बहस का विषय बन गया है। यह फैसला उस प्रस्ताव की अगली कड़ी है जिसे राज्य विधानसभा पहले ही पारित कर चुकी थी। अब प्रश्न यह है कि इस नाम परिवर्तन से राज्य को वास्तविक लाभ क्या होंगे, संभावित हानियां क्या हो सकती हैं, इसका चुनावी राजनीति पर क्या असर पड़ेगा और क्या इससे भारतीय जनता पार्टी को कोई राजनीतिक फायदा मिल सकता है।

सबसे पहले लाभ की बात करें तो समर्थकों का तर्क है कि 'केरलम' नाम राज्य की भाषाई और सांस्कृतिक पहचान के अधिक अनुरूप है। मलयालम भाषा में राज्य को 'केरलम' कहा जाता है, इसलिए यह परिवर्तन स्थानीय अस्मिता और आत्मसम्मान को मजबूती देता है। भारत में पहले भी कई राज्यों ने अपनी ऐतिहासिक या भाषाई पहचान के अनुरूप नाम बदले हैं–जैसे ओडिशा (पूर्व नाम उड़ीसा) और उत्तराखंड (पूर्व नाम उत्तरांचल)। इन उदाहरणों से यह तर्क दिया जाता है कि नाम परिवर्तन कोई असामान्य कदम नहीं, बल्कि समय के साथ पहचान के परिष्कार की प्रक्रिया है।

दूसरा संभावित लाभ सांस्कृतिक ब्रांडिंग का है। 'केरलम' नाम पर्यटन, आयुर्वेद, बैकवाटर्स और पारंपरिक कला रूपों की वैश्विक पहचान को स्थानीय भाषा से जोड़ सकता है। जब कोई राज्य अपनी मूल सांस्कृतिक अभिव्यक्ति को आधिकारिक रूप देता है तो वह अपने नागरिकों में गौरव की भावना उत्पन्न करता है। इससे प्रवासी समुदाय, विशेषकर खाड़ी देशों में काम कर रहे लाखों मलयाली लोगों के बीच भावनात्मक जुड़ाव भी मजबूत हो सकता है। यह मनोवैज्ञानिक लाभ सीधे आर्थिक लाभ में बदले या न बदले, लेकिन सामाजिक आत्मविश्वास को बढ़ाने में भूमिका निभा सकता है।

हालांकि, इसके साथ कुछ व्यावहारिक चुनौतियां और संभावित हानियां भी जुड़ी हैं। नाम बदलने की प्रक्रिया में प्रशासनिक दस्तावेजों, शैक्षणिक प्रमाणपत्रों, सरकारी वेबसाइटों, कानूनी अभिलेखों और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय समझौतों में संशोधन की आवश्यकता होगी। यह प्रक्रिया समय और संसाधन दोनों लेती है। आलोचकों का कहना है कि जब राज्य बेरोजगारी, बाढ़ प्रबंधन, कर्ज बोझ और बुनियादी ढांचे जैसी चुनौतियों से जूझ रहा हो, तब नाम परिवर्तन प्राथमिकता नहीं होना चाहिए। उनका तर्क है कि इससे प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ सीमित हैं, जबकि प्रशासनिक लागत वास्तविक है।

चुनावी असर के संदर्भ में यह निर्णय दिलचस्प है। केरल में लंबे समय से वामपंथी दलों और कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन का वर्चस्व रहा है। भाजपा यहां अब तक सीमित प्रभाव ही बना पाई है। ऐसे में यदि नाम परिवर्तन का निर्णय केंद्र सरकार की मंजूरी से आगे बढ़ता है, तो भाजपा इसे 'संस्कृति के सम्मान' और 'संविधान सम्मत प्रक्रिया' के रूप में प्रस्तुत कर सकती है। यह संदेश देने की कोशिश हो सकती है कि केंद्र क्षेत्रीय पहचान के खिलाफ नहीं, बल्कि उसके साथ है। इससे भाजपा को यह नैरेटिव गढ़ने का अवसर मिल सकता है कि वह केवल हिंदी पट्टी की पार्टी नहीं, बल्कि दक्षिण भारत की आकांक्षाओं को भी समझती है। लेकिन यह भी ध्यान रखना होगा कि केरल की राजनीति अत्यंत जागरूक और वैचारिक रूप से परिपक्व मानी जाती है। यहां मतदाता केवल प्रतीकात्मक मुद्दों पर वोट नहीं देते, बल्कि सामाजिक न्याय, शिक्षा, स्वास्थ्य और धर्मनिरपेक्षता जैसे मुद्दों को प्राथमिकता देते हैं। इसलिए केवल नाम परिवर्तन से चुनावी समीकरणों में बड़ा बदलाव आ जाए, यह मान लेना जल्दबाजी होगी। हां, यह भाजपा के लिए एक संवाद का द्वार खोल सकता है, जिससे वह राज्य की सांस्कृतिक भावनाओं के प्रति संवेदनशील दिखे।

भाजपा के संभावित फायदे पर यदि विस्तार से विचार करें तो यह निर्णय उसे दक्षिण भारत में अपनी स्वीकार्यता बढ़ाने का अवसर दे सकता है। पार्टी यह तर्क रख सकती है कि उसने राज्य विधानसभा की इच्छा का सम्मान किया और संवैधानिक प्रक्रिया के तहत कदम उठाया। इससे वह उन मतदाताओं को आकर्षित करने की कोशिश कर सकती है जो क्षेत्रीय पहचान और राष्ट्रीय एकता के बीच संतुलन चाहते हैं। साथ ही, यह विपक्ष के उस आरोप को भी कमजोर कर सकता है कि केंद्र सरकार राज्यों की स्वायत्तता की अनदेखी करती है।

दूसरी ओर, विपक्ष इसे 'प्रतीकात्मक राजनीति' बताकर जनता के वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने का आरोप लगा सकता है। यदि राज्य में आर्थिक या सामाजिक समस्याएं बनी रहती हैं, तो नाम परिवर्तन का मुद्दा जल्दी ही पृष्ठभूमि में चला जाएगा। इसलिए चुनावी लाभ तभी संभव है जब इसे व्यापक विकास और सुशासन के एजेंडे के साथ जोड़ा जाए।

एक और महत्वपूर्ण पहलू राष्ट्रीय स्तर का है। यदि संसद में यह विधेयक पारित होता है, तो यह संदेश जाएगा कि भारत की संघीय संरचना में राज्यों की सांस्कृतिक पहचान को मान्यता देने की परंपरा जारी है। इससे अन्य राज्यों में भी समान मांगें तेज हो सकती हैं, जैसा कि पश्चिम बंगाल द्वारा 'बांग्ला' नाम के प्रस्ताव के मामले में देखा गया था। हालांकि हर प्रस्ताव का मूल्यांकन अलग राजनीतिक और कूटनीतिक संदर्भ में होगा।

अंततः यह कहा जा सकता है कि 'केरल' से ह्यकेरलमह्न का नाम परिवर्तन भावनात्मक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण कदम है, लेकिन इसके आर्थिक और प्रशासनिक प्रभाव सीमित और मिश्रित रहेंगे। चुनावी राजनीति में इसका असर परिस्थितियों पर निर्भर करेगा। यदि इसे क्षेत्रीय सम्मान और विकास के व्यापक विमर्श से जोड़ा गया तो भाजपा को सीमित लेकिन प्रतीकात्मक लाभ मिल सकता है; यदि यह केवल नाम तक सीमित रहा तो इसका प्रभाव भी प्रतीकात्मक ही रहेगा। लोकतंत्र में नाम केवल पहचान का माध्यम है, असली कसौटी नीतियों और उनके परिणामों से तय होती है।

पैक्स सिलिका में भारत का होना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि

इक्कीसवीं सदी का यह दौर कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर और तकनीकी आपूर्ति श्रृंखलाओं की वैश्विक प्रतिस्पर्धा का दौर बन चुका है। ऐसे समय में भारत द्वारा एआई शिखर सम्मेलन का सफल आयोजन और उसके तुरंत बाद अमेरिका के नेतृत्व वाले समूह पैक्स सिलिका से औपचारिक रूप से जुड़ना केवल एक कूटनीतिक उपलब्धि नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी और रणनीतिक कदम है। यह उस नए भारत की घोषणा है जो तकनीकी शक्ति, नैतिक दृष्टि और वैश्विक संतुलन-तीनों को साथ लेकर चलने का सामर्थ्य अर्जित कर रहा है। एआई समिट के माध्यम से भारत ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह अब केवल तकनीक का उपभोक्ता राष्ट्र नहीं, बल्कि निमार्ता और मार्गदर्शक की भूमिका निभाने के लिए तैयार है। दुनिया की तीसरी बड़ी एआई शक्ति बनने की दिशा में यह एक ठोस चरणन्यास है।

दुर्लभ खनिजों और सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला पर चीन का लगभग 90 प्रतिशत वर्चस्व पिछले कुछ वर्षों से वैश्विक चिंता का विषय बना हुआ है। कंप्यूटर चिप से लेकर रक्षा प्रणालियों और अंतरिक्ष तकनीक तक, हर क्षेत्र इन संसाधनों पर निर्भर है। इस पृष्ठभूमि में पैक्स सिलिका जैसे मंच की परिकल्पना एक संतुलित, विश्वसनीय और बहु-ध्रुवीय तकनीकी ढांचे के रूप में की गई है। भारत का इस समूह में शामिल होना केवल प्रतीकात्मक कदम नहीं, बल्कि रणनीतिक और अनिवार्य निर्णय है। भारत की इंजीनियरिंग क्षमता, विशाल युवा प्रतिभा और उभरता हुआ सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम इस गठबंधन को नई मजबूती प्रदान करेगा। यह पहल किसी के विरुद्ध आक्रामकता नहीं, बल्कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में संतुलन और विविधता स्थापित करने का प्रयास है। जब शक्ति का केंद्रीकरण टूटता है और साझेदारी का विस्तार होता है, तभी विश्व व्यवस्था स्थिर और संतुलित बनती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में भारत ने तकनीक को शासन और विकास के केंद्र में स्थापित किया है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया और सेमीकंडक्टर मिशन जैसी पहलों ने एक मजबूत आधार तैयार किया है। भारत का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर आज दुनिया के लिए एक मॉडल बन चुका है। आधार, यूपीआई और डिजिटल सेवाओं ने करोड़ों लोगों को आर्थिक मुख्यधारा से जोड़ा है। इसी आधार पर एआई और चिप निर्माण के क्षेत्र में महत्वाकांक्षी कदम उठाए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की सक्रियता और वैश्विक मंचों पर भारत की प्रभावी उपस्थिति ने देश को एक विश्वसनीय तकनीकी साझेदार के रूप में स्थापित किया है। उनका दृष्टिकोण केवल आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं है, बल्कि तकनीकी आत्मनिर्भरता को वैश्विक सहयोग के साथ जोड़ने का है।

भारत में चिप डिजाइन, निर्माण और एआई अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए बड़े निवेश आकर्षित किए जा रहे हैं। वैश्विक कंपनियाँ भारत को स्थिर लोकतंत्र, कुशल मानव संसाधन और दीर्घकालिक नीति स्थिरता वाले देश के रूप में देख रही हैं। पैक्स सिलिका जैसे अंतरराष्ट्रीय ढांचे का हिस्सा बनने से भारत को तकनीकी सहयोग, संयुक्त अनुसंधान, पूंजी निवेश और आपूर्ति श्रृंखला विविधीकरण में व्यापक लाभ मिलेगा। इससे न केवल चीन पर निर्भरता कम होगी, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता भी सुदृढ़ होगी। यह भागीदारी भारत को अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया और यूरोपीय देशों जैसी प्रमुख तकनीकी शक्तियों के साथ और अधिक निकटता से जोड़ेगी, जिससे वैश्विक तकनीकी परिदृश्य में भारत की प्रतिष्ठा निरंतर बढ़ेगी। भारत की विशेषता केवल तकनीकी क्षमता नहीं, बल्कि उसकी सांस्कृतिक और नैतिक दृष्टि भी है। 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना से प्रेरित भारत एआई को मानव-केंद्रित विकास का माध्यम बनाना चाहता है। स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में एआई के उपयोग से व्यापक जनकल्याण सुनिश्चित किया जा सकता है। यदि तकनीक कुछ शक्तियों के हाथों में सिमट जाए तो असंतुलन बढ़ता है, किंतु जब लोकतांत्रिक और समावेशी राष्ट्र इसका नेतृत्व करते हैं तो यह वैश्विक कल्याण का साधन बन सकती है। भारत का प्रयास है कि एआई के नैतिक मानदंड सार्वभौमिक हों और तकनीक का उपयोग हथियार के रूप में नहीं, बल्कि मानव प्रगति के साधन के रूप में हो।

भारत की दृष्टि में कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल तकनीकी प्रगति का उपकरण नहीं, बल्कि मानवीय चेतना के विस्तार का माध्यम है। जिस देश ने विश्व को 'वसुधैव कुटुम्बकम्' का मंत्र दिया, जिसने करुणा, अहिंसा और सह-अस्तित्व की परंपरा को जीवन-मूल्य के रूप में प्रतिष्ठित किया, वह एआई को भी केवल बाजार और प्रभुत्व की प्रतिस्पर्धा में नहीं, बल्कि मानव कल्याण और वैश्विक संतुलन के संदर्भ में देखता है। भारत की सभ्यता-चेतना, जो महात्मा गांधी की अहिंसा और गौतम बुद्ध की करुणा से अनुप्राणित है, तकनीकी विकास को नैतिक अनुशासन से जोड़ने की प्रेरणा देती है। यहाँ विकास का अर्थ केवल गति नहीं, बल्कि दिशा भी है; केवल क्षमता नहीं, बल्कि संवेदना भी है। यदि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को जीवन की समग्रता-प्रकृति, समाज और मानव गरिमा के साथ जोड़ा जाए, तो भारत विश्व संरचना में ऐसा संतुलित मॉडल प्रस्तुत कर सकता है जो तकनीक को विनाश का कारण बनने से रोककर उसे सृजन, समावेशन और मानव उत्कर्ष का सशक्त साधन बना दे।

आज दुनिया दो ध्रुवों के बीच खड़ी दिखाई देती है-एक ओर केंद्रीकृत तकनीकी वर्चस्व, दूसरी ओर साझेदारी और संतुलन का मॉडल। भारत का उभार इस द्वंद्व को संतुलन में बदलने की क्षमता रखता है। भारत न टकराव की राह पर है, न निष्क्रियता कीय वह सक्रिय संतुलन की नीति अपना रहा है। यह संतुलन ही भविष्य की शांतिपूर्ण विश्व व्यवस्था का आधार बन सकता है। पैक्स सिलिका के माध्यम से भारत और उसके सहयोगी एक ऐसी नई दिशा दे सकते हैं जहाँ तकनीकी नवाचार का लाभ वैश्विक दक्षिण तक पहुँचे, आपूर्ति श्रृंखला पारदर्शी हो और वैश्विक शक्ति-संतुलन स्थिर रहे। निस्संदेह, यह समय भारत के लिए ऐतिहासिक है। एआई और सेमीकंडक्टर के इस युग में भारत का यह कदम उसकी आर्थिक और तकनीकी शक्ति को नई ऊँचाइयों पर ले जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उभरती यह तकनीकी और एआई क्रांति न केवल भारत को सशक्त बना रही है, बल्कि विश्व को भी संतुलन और सहयोग की नई राह दिखा रही है। आने वाले वर्षों में यह साझेदारी नई सृष्टि का आधार बन सकती है-एक ऐसी सृष्टि जहाँ तकनीक प्रतिस्पर्धा का नहीं, बल्कि समन्वय और शांति का माध्यम बने। भारत इस दिशा में दृढ़ता से अग्रसर है और विश्व नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए स्वयं को सक्षम बना रहा है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सरकारी अस्पताल में फांसी के फंदे लटका मिला संविदा कर्मी का शव,पुलिस मामले की जांच में जुटी

जोया/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के जोया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के सरकारी आवास में एक संविदा कर्मी का शव फांसी के फंदे पर लटका हुआ मिला, जिससे आसपास के क्षेत्र में सनसनी फैल गई। उधर सूचना पर पहुंची पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का मुआयना कर मामले में जांच पड़ताल शुरू कर दी। बता दें कि बुधवार को जोया स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सुबह करीब नौ बजे साथी कर्मचारियों ने दरवाजा नहीं खुलने पर उसे तोड़ा, जिसके बाद शव पंखे से झूलता पाया गया। सूचना मिलते ही सीएचसी स्टाफ, पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।मृतक की पहचान 35 वर्षीय अंकुर चीमा पुत्र भगत

सिंह के रूप में हुई है। वह मूल रूप से अमरोहा जिले के नौगावां सादात थाना क्षेत्र के भेड़ा भरतपुर गांव के निवासी थे। अंकुर जोया सीएचसी में नवजात शिशु स्थिरीकरण इकाई (SNCU) में संविदा पर कार्यरत थे।अंकुर चीमा का विवाह 2022 में हुआ था। उनकी पत्नी गरिमा सिंह बलरामपुर जिले में एक प्राथमिक विद्यालय में अध्यापिका हैं। मृतक का एक आठ माह का बेटा भी है। साथी कर्मचारी अंकुश और पुनीत ने सुबह अंकुर के कमरे का दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद उन्होंने दरवाजा तोड़कर अंदर देखा, जहां अंकुर का शव पंखे से लटका हुआ था। स्टाफ के अनुसार, अंकुर 16 फरवरी को

अपनी पत्नी से मिलने बलरामपुर गए थे और चार दिन की छुट्टी पर थे। तीन दिन अनुपस्थित रहने के बाद, वह मंगलवार रात करीब साढ़े सात बजे सीएचसी लौटे और नाइट ड्यूटी पर आ गए। सुबह साढ़े सात बजे ड्यूटी खत्म कर वह अपने कमरे पर चले गए थे, जिसके बाद यह घटना हुई।घटना की जानकारी मिलने पर मृतक के परिजन भी सीएचसी पहुंच गए। डिडौली इंस्पेक्टर जितेंद्र बालियान ने बताया कि शव को कब्जे में ले लिया गया है। पुलिस घटना से जुड़े सभी पहलुओं पर बारीकी से जांच कर रही है और परिजनों से तहरीर मिलने के बाद आगे की कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

डग्गामार बसों पर शिकंजा, एक सीज तीन का चालान

सैदनगली/अमरोहा (सब का सपना):- अवैध रूप से संचालित हो रहे डग्गामार वाहनों के विरुद्ध सैदनगली पुलिस ने कड़ा रुख अपनाया है। थानाध्यक्ष विकास चौधरी के नेतृत्व में चलाए गए चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस ने संभल-हसनपुर मार्ग पर अवैध रूप से दौड़ रही एक बस को सीज कर दिया, जबकि तीन अन्य बसों के चालान काटे गए। थानाध्यक्ष विकास चौधरी ने बताया कि काफी समय से शिकायतें मिल रही थीं कि डग्गामार बसें न केवल यातायात नियमों का उल्लंघन कर रही हैं, बल्कि उत्तर प्रदेश परिवहन विभाग के राजस्व को भी भारी चपत लगा रही हैं। इसी क्रम में

पुलिस टीम ने डग्गामार वाहनों की धर-पकड़ की। इस कार्रवाई से डग्गामार संचालकों में हड़कंप मचा हुआ है बताया जा रहा है कि अवैध बसों के संचालित होने की शिकायत की गई है कार्रवाई के दौरान अवैध बसों की एंट्री लेने वाले लोगों में हड़कंप मच गया अवैध रूप से चल रही बसों से अवैध रूप से महीने की लाखों रुपए की उगाई की जारी है जिस पर अंकुश लगना जरूरी है पुलिस का कहना है कि यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा

एसडीएम ने की मतदाता सूची पुनरीक्षण की समीक्षा,संबंधित अधिकारियों को घर-घर सर्वे करने के दिए निर्देश

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा सभागार में मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। उपजिलाधिकारी (एसडीएम) विभा श्रीवास्तव ने इसकी अध्यक्षता की, जिसमें क्षेत्र के सभी बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बता दें कि बुधवार को एसडीएम विभा श्रीवास्तव ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि मतदाता सूची का शुद्धिकरण प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने बीएलओ को निर्देश दिए कि वे घर-घर जाकर सर्वे का कार्य पूरी पारदर्शिता और

जिम्मेदारी के साथ करें।उन्होंने स्पष्ट किया कि 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं के नाम प्राथमिकता के आधार पर मतदाता सूची में जोड़े जाएं। इसके साथ ही, मृत और स्थानांतरित हो चुके मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाएं ताकि सूची त्रुटिरहित रहे। मतदाता पहचान पत्र को आधार से जोड़ने के कार्य में भी तेजी लाने के निर्देश दिए गए।एसडीएम ने चेतावनी दी कि कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि किसी बीएलओ की रिपोर्ट में गड़बड़ी पाई जाती है, तो उसके विरुद्ध विभागीय कार्रवाई की जाएगी।इस अवसर पर नगर पालिका परिषद के चेयरमैन प्रवीण अग्रवाल ने भी बीएलओ को संबोधित किया और नगर पालिका स्तर से हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। बैठक में राजस्व विभाग और पालिका प्रशासन के मुख्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।बैठक में उमेश सैनी, पालिका लिपिक सोनू, अमर सिंह, दिशांत यादव, आलम शेख, और लेखपाल जितेंद्र सिंह सहित समस्त बीएलओ व राजस्व विभाग के कर्मचारी मौजूद रहे।

तहसील हसनपुर में चकबंदी चौपाल का हुआ आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- चकबन्दी आयुक्त उ०प्र० तथा जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स के निर्देश के क्रम में आज ग्राम आदमपुर तहसील हसनपुर में धीरेन्द्र प्रताप, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) / उप संचालक चकबन्दी, अमरोहा की अध्यक्षता में ग्राम चौपाल का सार्वजनिक स्थल शिव मन्दिर में आयोजन किया गया। ग्राम चौपाल में शैलेश कुमार शाही, बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी, पंकज उप्रेती चकबन्दी अधिकारी तथा पवन कुमार कर्दम सहायक चकबन्दी अधिकारी के साथ 2 तहसील तथा चकबन्दी स्टाफ, ग्राम प्रधान तथा चकबन्दी समिति के सदस्य तथा काफी कृषक

उपस्थित थे। चकबन्दी अधिकारी द्वारा आज चौपाल में 40 सन्दर्भ की सुनवाई की गई जिनमें से 25 का निस्तारण चौपाल में कर दिया गया। कृषक हीरा लाल द्वारा उपस्थित होकर अपने चक के लिए चकमार्ग की मॉग की गई। जिसके सम्बन्ध में स्टाफ को निर्देश दिये गये कि सन्दर्भ बनाकर नियमनुसा चकमार्ग प्रस्तावित किया जाये। ग्राम प्रधान द्वारा ग्राम में पानी की निकासी के लिए तालाब आरक्षित करने की माँग की गई। जिसके सम्बन्ध में ग्राम प्रधान को निर्देश दिये गये कि कार्यवाही पुस्तक में प्रस्ताव पारित कर न्यायालय में वाद योजित करने की कार्यवाही करे। कृषको द्वारा अस्पताल तथा खेल का मैदान जो आरक्षित किया गया है उन अतिक्रमण से मुक्त कराया जाये। स्टाफ द्वारा अवगत कराया गया कि स्थल फसल होने कारण मुक्त नहीं कराया जा सका। स्टाफ को निर्देश दिये गये कि कि फसल कटने प तत्काल आरक्षित भूमि को अतिक्रमण से मुक्त कराया जाये। चकदार सोरन, विजयपाल, रवि मोहन तथा ग्राम प्रधान द्वारा अवशेष पैमाइ कराने की मांग की गई। जिसके सम्बन्ध में स्टाफ को निर्देश दिये गये कि अभिय चलाकर समस्त पैमाईश पूर्ण करना सुनिश्चित करे।

केनरा बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान पर जूनियर ब्यूटी प्रैक्टिशनर बैच का हुआ प्रारंभ

अट्ठारह सौ से अधिक प्रशिक्षु ले चुके प्रशिक्षण, नए बैचों के लिए आवेदन शुरू

बहजोई/संभल (सब का सपना):- ग्रामीण युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में केनरा बैंक रूरल सेल्फ एम्प्लॉयमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट बहजोई केंद्र महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। संस्थान द्वारा सहायक बुककीपर (अकाउंट्स असिस्टेंट), ब्यूटी प्रैक्टिशनर, सॉफ्ट टॉयज मेकिंग, मोबाइल रिपेयरिंग, एसी एवं फ्रिज रिपेयरिंग और उद्यमिता विकास जैसे व्यावहारिक पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। खास बात यह है कि प्रशिक्षण केवल केंद्र पर ही नहीं, बल्कि सुदूर गांवों में भी जनसहयोग से कराया जा रहा है। संस्थान के निदेशक विनीत तिवारी ने नए बैच का शुभारंभ करते हुए प्रशिक्षुओं को नियमित उपस्थिति और कौशल विकास पर जोर देने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि अब तक 1800 से अधिक प्रशिक्षु विभिन्न कोर्स पूर्ण कर चुके हैं, जिनमें से कई ने स्वरोजगार शुरू किया है, जबकि अन्य प्रतिष्ठित संस्थानों में कार्यरत हैं। वर्तमान में जूनियर ब्यूटी प्रैक्टिशनर और डीटीपी (डेस्कटॉप पब्लिशिंग) कोर्स के माध्यम से 70 युवाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है। डीटीपी कोर्स में DST मयंक द्वारा थ्योरी के साथ फोटोशॉप के माध्यम से पासपोर्ट साइज फोटो, पोस्टर और बैनर बनाना सिखाया जा रहा है। आगामी बैचों में महिला सिलाई, मोबाइल रिपेयरिंग, एसी-फ्रिज रिपेयरिंग, आर्टिफिशियल ज्वेलरी मेकिंग, राजमिस्त्री एवं उद्यमिता विकास कोर्स शुरू किए जाएंगे। 25 फरवरी से इन पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है।

इच्छुक अभ्यर्थी संस्थान कार्यालय, रोटरी क्लब भवन, निकट सिल्वर स्टोन स्कूल, संभल रोड बहजोई या फोन नंबर 05921-297253 / 8808222447 पर संपर्क कर सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी दूर करने और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में यह पहल एक प्रभावी कदम साबित हो रही है।

अवैध रूप से संचालित गैस रिफलिंग के कार्य का पदार्फाश, दुकानदार पर कार्रवाई

संभल(सब का सपना):- जनपद के नगर मजिस्ट्रेट, को सूचना प्राप्त हुई इसी आधार पर मंगलवार को ग्राम चिमयावली में सुबहान अली पुत्र पप्पू निवासी वही तहसील संभल द्वारा अवैध रूप से संचालित गैस रिफलिंग का कार्य पकड़ा गया। मौके पर सुबहान अली के द्वारा एक परचून दुकान के साथ-साथ गैस रिफलिंग और मुर्गा मीट शॉप भी संचालित की जा रही थी। तपास के दौरान लगभग

15-16 घरेलू गैस सिलेंडर, दो छोटे सिलेंडर और गैस रिफलिंग से संबंधित उपकरण बरामद किए गए। सुबहान अली से पूछताछ की गई, लेकिन उसने गैस रिफलिंग के संबंध में संतोषजनक उत्तर नहीं दिया। इस पर नगर मजिस्ट्रेट के निदेर्शानुसार पूर्ति निरीक्षक संभल अंकित कुमार अवस्थी और ललित कुमार मौके पर पहुंचे और आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत संबंधित के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। यह कार्रवाई उपभोक्ताओं की सुरक्षा और अवैध गैस रिफलिंग को रोकने के उद्देश्य से की गई है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के दूसरे परिसर में विद्यार्थियों का प्रदर्शन, कुलानुशासक चोटिल

एजेंसी

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में इन दिनों पठन-पाठन को छोड़कर अन्य सभी काम हो रहे हैं। यहां पर विद्यार्थियों का विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है। लखनऊ विश्वविद्यालय में तीन दिनों से मुख्य परिसर में लाल बारादरी भवन का दरवाजा सील किए जाने को लेकर हंगामा चल रहा था। बुधवार को विश्वविद्यालय के दूसरे परिसर जानकीपुरम में विद्यार्थियों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया। बड़ी संख्या में छात्र विश्वविद्यालय के गेट नंबर एक पर जमा हुए। प्रदर्शन के दौरान कुछ छात्रों ने मुख्य द्वार जबरन बंद करने का प्रयास किया। उन्हें दौरान रोकने में अपर कुलानुशासक प्रो. मोहम्मद अहमद का हाथ गेट में दब

गया, जिससे वह चोटिल हो गए। उन्हें तत्काल प्राथमिक उपचार दिया गया। विद्यार्थियों का कहना है कि लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने शुल्क जमा करने की अंतिम तारीख 28 फरवरी घोषित की है।

शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि हटा दी जाए। विश्वविद्यालय फीस जमा करने में देरी होने पर विलंब शुल्क लेता है। यह विद्यार्थियों पर आर्थिक चोट है। इसे भी हटाया जाए। छात्रवृत्ति अभी तक आई नहीं है, ऐसे हर सभी छात्र फीस नहीं भर पा रहे।छात्रों का आरोप है कि कई विद्यार्थियों का एडमिशन कुछ कारणों से निरस्त करने की तैयारी है। इसकी नोटिस जारी की गई है। इस आदेश को वापस लिया जाए और उन्हें प्रवेश दिया जाए।

इन मांगों को लेकर सिद्धार्थ तिवारी, विवेक सिंह, नवीन यादव, सिद्धार्थ सिंह, प्रशांत पंडित सहित कई विद्यार्थी "छात्र एकता जिंदाबाद" जैसे नारे लगाते रहे।

विद्यार्थियों ने मुख्य कुलानुशासक प्रो. राकेश द्विवेदी, अपर कुलानुशासक प्रो. मोहम्मद अहमद को ज्ञापन सौंपा। विद्यार्थियों के अनुसार, गुरुवार को उन्हें कुलपति से मुलाकात कराने का आश्वासन दिया गया। इसके बाद करीब ढाई बजे गेट खोला गया। इस दौरान जिनकी कक्षाएं हो चुकी थीं, वे भी घर नहीं जा पा रहे थे, क्योंकि गेट बंदकर प्रदर्शन चल रहा था।

YMS कॉलेज के स्वयंसेवियों ने धनौरी खुर्द में मनाया पर्यावरण दिवस,पौधारोपण कर दिया संरक्षण का संदेश

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के मंडी धनौरा क्षेत्र स्थित वाई एम एस डिग्री कॉलेज की राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) इकाई ने धनौरी खुर्द गांव में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के पांचवें दिन 'पर्यावरण दिवस' मनाया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को प्रकृति के प्रति जागरूक करना और बढ़ते प्रदूषण के खतरों से अवगत कराना था। बता दें कि कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर और रासेयो के लक्ष्य गीत के गायन के साथ हुई। इस अवसर पर ग्राम प्रधान राजेश कुमार, प्रवक्ता दीपक त्यागी और अंजू चौधरी उपस्थित रहे। अतिथियों और स्वयंसेवियों ने मिलकर गांव के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर लगभग 20 पौधे लगाए।संगोष्ठी को संबोधित करते हुए ग्राम प्रधान राजेश कुमार ने कहा कि पेड़ों की अंधाधुंध कटाई और बढ़ते प्रदूषण के कारण पर्यावरण गंभीर संकट में है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए शुद्ध हवा

और पानी मिलना मुश्किल हो जाएगा।कार्यक्रम अधिकारी सोहन सिंह ने स्वयंसेवियों को प्रेरित करते हुए कहा, वृक्षारोपण केवल एक कार्य नहीं, बल्कि पुण्य का काम है। हर व्यक्ति को अपने जीवन के विशेष अवसरों पर कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए और उसकी संतान की तरह देखभाल करनी चाहिए।ह्व विशिष्ट अतिथि डॉ. शीबा फरीदी और डॉ. नाहिद परवीन ने पर्यावरण संरक्षण के वैज्ञानिक और सामाजिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि प्रकृति के बिना मानव जीवन की कल्पना असंभव है। प्रवक्ता दीपक त्यागी ने भी पारिस्थितिकी तंत्र को बचाने में युवाओं की भूमिका पर जोर दिया।कार्यक्रम के अंत में सभी स्वयंसेवियों ने पर्यावरण को स्वच्छ रखने और दूसरों को इसके प्रति जागरूक करने की शपथ ली।

इस अवसर पर नीषू, प्रियांषी, शशिकांत, अभय कुमार, विक्रान्त, दीपांशु, एकता राजपूत, संगीता सैनी, पायल, मानसी, इलमा नाज, सोफिया परवीन, शाहनवाज खान, मनु, शारिक, प्रिंस, गौतम बौद्ध, मंतषा, ईकरा परवीन और रिजवान अली सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और रासेयो के स्वयंसेवी उपस्थित थे।

जिला न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव द्वारा किया गया विभिन्न संस्थानों का औचक निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद में न्यायिक दायित्वों के प्रभावी क्रियान्वयन एवं संवेदनशील प्रशासनिक व्यवस्था सुनिश्चित करने के उददेश्य से माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश / अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा विवेक, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश/पॉक्सो एक्ट प्रथम, हेमलता त्यागी तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा के सचिव अभिषेक कुमार व्यास द्वारा विभिन्न संस्थानों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण का मुख्य उददेश्य बच्चों, महिलाओं एवं बंदियों को उपलब्ध करायी जा रही सुविधाओं की वास्तविक स्थिति का आकलन करना तथा आवश्यक सुधार सुनिश्चित करना रहा। निरीक्षण की शुरूआत डुरी१५ꣳ्ल्ल लङ्की से की गई। माननीय जिला न्यायाधीश महोदय ने वहां आवासित बच्चों से आत्मीय संवाद स्थापित कर उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य, भोजन, सुरक्षा एवं दैनिक गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिया कि

प्रत्येक बच्चे के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के लिए व्यक्तिगत मेडिकल कार्ड अनिवार्य रूप से तैयार किये जाये तथा जिन बच्चों का विद्यालयों में प्रवेश शेष है, उनका शीघ्र नामांकन सुनिश्चित कराया जाये। साथ ही कौशल विकास, परामर्श सन्त्र एवं नैतिक शिक्षा को नियमित रूप से संचालित करने पर भी बल दिया गया। निरीक्षण के क्रम में निरीक्षण समिति नारी निकेतन, मुरादाबाद भी पहुंची, यहां संरक्षण प्राप्त महिलाओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाऐ, परामर्श एवं पुनर्वास व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई तथा पायी गयी कमियों को शीघ्र दूर करने के निर्देश दिये गये। माननीय जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा श्री विवेक ने कहा कि संस्थाओं में निर्वासित प्रत्येक किशोर बन्दी, महिला बन्दी को मानवीय गरिमा के अनुरूप समुचित सुविधाये प्राप्त होना, उनका संवैधानिक अधिकार है। प्रशासन की जिम्मेदारी है कि उनके स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा एवं पुनर्वास से सम्बन्धित व्यवस्था पूर्ण रूप से मानकों के अनुरूप हो। किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी तथा सम्बन्धित अधिकारी समयबद्ध रूप से आवश्यक सुधार सुनिश्चित करें। निरीक्षण के दौरान अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश / पॉक्सो एक्ट प्रथम, हेमलता व्यागी ने कहा कि संस्थाओं

में निर्वासित किशोर बन्दी व महिला बन्दियों को मानवीय गरिमा के अनुरूप समुचित सुविधाये आदि उनका संवैधानिक अधिकारी है साथ ही यह भी कहा कि पीड़ितओं को उनका सम्मान व अधिकार मिले। निरीक्षण के दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव, श्री अभिषेक कुमार व्यास ने कहा कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण का उददेश्य केवल निःशुल्क विधिक सहायता प्रदान करना ही नहीं, बल्कि समाज के वंचित एवं कमजोर वर्गों को न्याय से जोडना भी है। उन्होंने बताया कि ऐसे औचक निरीक्षणों से व्यवस्थाओं में पारदर्शिता एवं जवाबदेही बढ़ती है और लाभार्थियों तक योजनाओं का वास्तविक लाभ पहुँचाने में सहायता मिलती है। जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अमरोहा श्री विवेक, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश / पॉक्सो एक्ट प्रथम, हेमलता त्यागी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सचिव श्री अभिषेक कुमार व्यास द्वारा किया गया यह औचक निरीक्षण न्यायिक सक्रियता एवं सामजिक संवेदनशीलता का सशक्त उदाहरण है, जिससे निश्चित रूप से संस्थागत व्यवस्थाओं में सुधार होगा और पीड़ितों को बेहतर सुविधाये प्राप्त होगी।

महिला शक्ति संगठन का होली मिलन समारोह, रंग-गुलाल के साथ दिया सौहार्द का संदेश

संभल(सब का सपना):- महिला शक्ति संगठन की ओर से बुधवार को राष्ट्रीय कन्या इंटर कॉलेज परिसर में होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संगठन की महिलाओं ने एक-दूसरे को रंग और गुलाल लगाकर गले मिलते हुए होली की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। समारोह के दौरान महिलाओं ने मिष्ठान वितरित कर एक-दूसरे को खिलाया और होली के पारंपरिक गीतों पर उत्साहपूर्वक नृत्य किया। पूरे कार्यक्रम में आपसी प्रेम, सौहार्द और उल्लास का वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम की व्यवस्था समिति की कोषाध्यक्ष कविता गुप्ता ने संभाली, जबकि अध्यक्षता दीपा वाष्णेय ने की। इस अवसर पर रिचा वाष्णेय, उषा आर्य, अंजना गुप्ता, मधु वाष्णेय, नीलम वाष्णेय, शशि वाष्णेय, शशि गंभीर, कुसुम लता आर्य, निशी रानी, छाया वाष्णेय, ममता, विनीता, प्रीति प्रतीक सहित संगठन की अनेक महिलाएं उपस्थित रहीं। इस मौके पर अध्यक्ष दीपा वाष्णेय ने सभी देशवासियों को होली की शुभकामनाएं देते हुए अपील की कि रासायनिक रंगों का प्रयोग न करें। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक रंग और गुलाल के साथ प्रेम एवं सद्भाव से होली मनाएं, जिससे त्योहार की खुशी सुरक्षित और आनंदमय बनी रहे।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र में 23 मामलों की सुनवाई, 3 का निस्तारण, 3 परिवारों में सुलह

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल के निर्देशन में चलाए जा रहे पुलिस परिवार परामर्श एवं सुलह-समझौता केंद्र की बैठक बुधवार को चंदौसी स्थित गौशाला रोड पिंक चौकी में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह ने की। बैठक में पति-पत्नी के बीच उत्पन्न आपसी विवादों को सुलह-समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास किया गया। काउंसलरों के सहयोग से दोनों पक्षों को समझाकर पारिवारिक रिश्तों को बचाने पर जोर दिया गया। इस दौरान कुल 23 पत्रावलियों की सुनवाई की गई, जिनमें से 3 पत्रावलियों का निस्तारण किया गया, जबकि 3 परिवारों को आपसी सहमति से पुनः एक साथ रहने के लिए राजी कराया गया। बैठक में काउंसलर श्वेता गुप्ता, पूनम अरोरा, उपनिरीक्षक महेश गंगवार एवं रुचि सुधारानी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। पुलिस परिवार परामर्श केंद्र का उद्देश्य पारिवारिक विवादों को आपसी सहमति से सुलझाकर परिवार संस्था को मजबूत करना है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के नाम जिलाधिकारी सम्भल को सौंपा ज्ञापन

शंकराचार्य के खिलाफ दर्ज एफआईआर की निष्पक्ष जांच की उठाई गई मांग

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिला कांग्रेस कमेटी संभल एवं शहर कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों ने प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी संभल को सौंपते हुए ज्योतिर्मठ पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ प्रयागराज में दर्ज एफआईआर की उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच की मांग की है। ज्ञापन में ये उल्लेख किया गया कि शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज के विरुद्ध प्रयागराज में पॉक्सो एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की गई है, जिसमें नाबालिगों के यौन शोषण के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि स्वामी जी ने इन आरोपों को पूरी तरह निराधार, साजिशपूर्ण और मनगढ़ंत बताया है। उनका कहना है कि जिन बच्चों को पीड़ित बताया जा रहा है, वे उनके गुरुकुल में कभी प्रवेश ही नहीं किए और यह मामला उनकी छवि धूमिल करने तथा धार्मिक संस्था को बदनाम करने की साजिश का हिस्सा है। कांग्रेस प्रतिनिधियों ने मांग की कि मामले की उच्च स्तरीय, निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच केंद्रीय एजेंसी या विशेष जांच दल से कराई जाए, ताकि सच्चाई सामने आ सके। साथ ही शंकराचार्य एवं उनके शिष्यों पर किसी भी प्रकार के अनावश्यक दबाव, मानसिक उत्पीड़न अथवा राजनीतिक/साजिशपूर्ण कार्रवाई को रोके जाने की मांग भी की गई। ज्ञापन में ये भी कहा गया कि यदि आरोप असत्य साबित होते हैं तो झूठी शिकायत करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, जिससे संत परंपरा की गरिमा बनी रहे और समाज में विश्वास कायम रहे। कांग्रेस नेताओं ने आशा व्यक्त की कि केंद्र सरकार इस मामले का शीघ्र संज्ञान लेकर उचित निर्देश जारी करेगी। इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष आरिफ तुर्की ,मोहम्मद सलीम सैफी, भुवनेश जोशी, शाहिद, सलमान तुर्की, साबिर अली, शिवकिशोर गौतम, कल्पना सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

कमालपुर में विद्युत उपकेंद्र का किया गया लोकार्पण, 20 गांवों को मिलेगा लाभ

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के अंतर्गत योजना बिजनेस प्लान वर्ष 2024-25 के तहत जनपद में ड्ड606.61 लाख की लागत से निर्मित 33/11 केवी 25 एमवीए विद्युत उपकेंद्र का लोकार्पण बुधवार को विकासखंड बहजोई के ग्राम कमालपुर में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि धर्मवीर प्रजापति (प्रभारी मंत्री/राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार, होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा) रहे। विशिष्ट अतिथियों में हरेन्द्र सिंह रिंकू, परमेश्वर लाल सैनी, ओमवीर सिंह खडगवंशी एवं मंजू दिलेर शामिल रहीं। मुख्य अतिथि ने फीता काटकर एवं बटन दबाकर उपकेंद्र का शुभारंभ किया। अधीक्षण अभियंता हिमांशु वार्ष्णेय ने बताया कि इस उपकेंद्र से बहजोई विकासखंड के लगभग 20 गांवों के करीब 4000 उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा तथा विद्युत आपूर्ति में सुधार होगा। यहां 5-5 एमवीए के दो ट्रांसफार्मर स्थापित किए गए हैं। जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया ने कहा कि उपकेंद्र से क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था सुदृढ़ होगी। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई, मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे।

कृषि विद्युत कनेक्शन को लेकर विवाद, किसान ने की सुरक्षा में लाइन डलवाने की मांग

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई थाना क्षेत्र स्थित पाठकपुर की मढैया गांव में एक किसान द्वारा कराए गए कृषि विद्युत कनेक्शन का मामला विवादों में घिर गया है। किसान बाबू पुत्र करण सिंह निवासी पाठकपुर की मढैया ने अपनी कृषि आराजी गाटा संख्या 169, फाजलपुर (निकट सादातबाड़ी) के लिए योजना के तहत बिजली कनेक्शन स्वीकृत कराया था, लेकिन आरोप है कि पड़ोसी चकदार और बटाईदार खेत की मेड़ के किनारे तीन खंभे नहीं लगने दे रहे हैं kपीड़ित किसान के अनुसार, रास्ते के किनारे से लाइन ले जाने का भी विरोध किया गया। इतना ही नहीं, पहले से लगाए गए खंभों को उखाड़ दिया गया, जिससे विद्युत कनेक्शन का कार्य अधूरा रह गया। सिंचाई व्यवस्था बाधित होने के कारण किसान को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। किसान बाबू ने इस संबंध में संबंधित जेई को कुछ समय पहले शिकायत दी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया है। मामले को लेकर किसान ने सम्पूर्ण समाधान दिवस, तहसील चन्दौसी में प्रार्थना पत्र देकर स्टीमेट सर्वे के अनुसार 11 हजार लाइन से निजी नलकूप तक विद्युत लाइन खिंचवाने तथा सुरक्षा के बीच खंभे लगवाने की मांग भी की थी लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ। इस संबंध में जब धनारी बिजली घर के उपखंड अधिकारी से बात की गई तो उन्होंने बताया कि मामला उनके संज्ञान में नहीं है। फिलहाल वे अवकाश पर हैं और होली के बाद लौटने पर प्रकरण की जांच कराएंगे।वहीं पाठकपुर बिजली घर में तैनात जेई योगेश कुमार ने बताया कि ट्यूबवेल की लाइन बनवाने की जिम्मेदारी उपभोक्ता की होती है।

किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में अब देखना यह होगा कि प्रशासन और विद्युत विभाग इस विवाद का क्या समाधान निकालते हैं, ताकि किसान को समय पर सिंचाई सुविधा मिल सके और उसे हो रहे आर्थिक नुकसान से राहत मिल पाए।

सनातन धर्म जूनियर हाई स्कूल में बच्चों को योग और मंत्राभ्यास की शिक्षा

शक्ति सेवा पथ फाउंडेशन के मिशन शक्ति अभियान के तहत योग के लाभ और ओम-गायत्री मंत्र का महत्व बताया गया

संभल(सब का सपना):- जनपद के मोहल्ला कोट पूर्वी स्थित सनातन धर्म विद्यालय जूनियर हाई स्कूल में बुधवार को शक्ति सेवा पथ फाउंडेशन द्वारा मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत बच्चों को योग सिखाने का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम में बच्चों को योग के विभिन्न आसनों के साथ-साथ योगाभ्यास के स्वास्थ्य लाभ के बारे में विस्तार से बताया गया। फाउंडेशन की अध्यक्ष नीरू चाहल ने बच्चों को समझाया कि योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह मानसिक शक्ति, एकाग्रता और आत्मविश्वास को भी बढ़ाता है। उन्होंने बच्चों को ओम और गायत्री मंत्र का उच्चारण जीवन में उतारने के महत्व पर भी जानकारी दी। इस अवसर पर बच्चों ने उत्साहपूर्वक योगाभ्यास किया और 108 बार ओम तथा गायत्री मंत्र का उच्चारण किया। इस दौरान स्कूल के प्रधानाचार्य और संपूर्ण स्टाफ ने कार्यक्रम में सक्रिय सहयोग प्रदान किया, जिससे कार्यक्रम का वातावरण और भी प्रभावशाली बना। नीरू चाहल ने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि योग और मंत्राभ्यास जीवन में अनुशासन और सकारात्मक ऊर्जा लाने का माध्यम हैं। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को इन अभ्यासों के माध्यम से शारीरिक और मानसिक रूप से सशक्त बनाना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। इस कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों ने न केवल योग की तकनीक सीखी, बल्कि मानसिक एकाग्रता और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता भी विकसित की। यह पहल शक्ति सेवा पथ फाउंडेशन की सामाजिक जिम्मेदारी और युवा सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

चुनावी रंजिश में बेटे ने की मां की हत्या, गिरफ्तार तमंचा भी बरामद

बबराला/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई के निर्देशन में थाना बबराला और थाना सिविल लाइन, मुरादाबाद की संयुक्त पुलिस टीम ने हत्या की घटना का खुलासा करते हुए 315 बोर का तमंचा बरामद किया है। थाना बबराला क्षेत्र के ग्राम पहलवाड़ा निवासी पवन पुत्र राजेन्द्र प्रसाद ने पूर्व में अपनी मां प्रेमवती की हत्या का मुकदमा गांव के कुछ लोगों के खिलाफ दर्ज कराया था। विवेचना के दौरान मामला थाना सिविल लाइन, मुरादाबाद को स्थानांतरित किया गया। जांच में खुलासा हुआ कि पवन कुमार ने ही चुनावी रंजिश के चलते अपनी मां की गोली मारकर हत्या की और विरोधी पक्ष को फंसाने के लिए झूठा मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में आरोपी ने बताया कि विवाद के दौरान डराने के लिए हवाई फायर किया गया, लेकिन बाद में विरोधियों पर गंभीर धाराएं लगाने के उद्देश्य से मां के हाथ पर गोली मारने की कोशिश की, जो सीने में लग गई और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना में प्रयुक्त तमंचा आरोपी की निशानदेही पर गांव के पास एक ट्यूबवेल से बरामद कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर वैधानिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय में पेश किया है।

ई-रिक्शा और दोपहिया वाहनों के खिलाफ अभियान किया गया जागरूक

संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक जिला संभल के कुशल निर्देशन में एवं क्षेत्राधिकारी यातायात के मार्गदर्शन में प्रभारी यातायात दुष्यंत बालियान द्वारा चंदौसी-बहजोई रोड पर विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान हाईवे पर ई-रिक्शा के अवैध संचालन पर रोक लगाते हुए चालान किए गए। सामान ढोने वाली ई-रिक्शा के अलावा दोपहिया वाहनों पर बिना हेलमेट चलाने और तीन सवारियों के साथ चलने वालों के खिलाफ भी चालान किए गए। अभियान का उद्देश्य सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना और दुर्घटनाओं की संभावना को कम करना बताया गया। इसके साथ ही दोपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनने और अधिक सवारी न बैठाने के लिए जागरूक किया गया। अधिकारियों ने कहा कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सनातन धर्म विद्यालय में बाल विवाह के दुष्परिणामों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

संभल (सब का सपना):- श्री सनातन धर्म विद्यालय जूनियर हाई स्कूल में मंगलवार सुबह विद्यार्थियों को बाल विवाह से होने वाले शिक्षा, स्वास्थ्य और जीवन पर पड़ने वाले दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम का आयोजन सामाजिक संस्था शक्ति सेवा पथ फाउंडेशन द्वारा किया गया। फाउंडेशन की अध्यक्ष नीरू चहल ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि बाल विवाह एक सामाजिक कुप्रथा ही नहीं बल्कि दंडनीय अपराध भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से बाल विवाह रोकथाम विषय पर निबंध लिखवाया और उन्हें बताया कि यदि उनके आसपास कहीं भी इस प्रकार की घटना की जानकारी मिले तो तुरंत संबंधित बाल विवाह कानून हेल्पलाइन पर सूचना दें। उन्होंने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे स्वयं जागरूक बनें और घर जाकर अपने माता-पिता व परिवारजनों को भी बाल विवाह के दुष्परिणामों के बारे में अवगत कराएं। कार्यक्रम में बताया गया कि बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के अनुसार लड़कियों की न्यूनतम विवाह योग्य आयु 18 वर्ष और लड़कों की 21 वर्ष निर्धारित की गई है। इससे कम आयु में विवाह करना कानूनन अपराध है। निबंध प्रतियोगिता में उत्कृष्ट जानकारी प्रस्तुत करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया गया।

इस अवसर पर संध्या रस्तोगी सहित विद्यालय स्टाफ का सराहनीय सहयोग रहा। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में जागरूकता बढ़ाकर समाज को बाल विवाह जैसी कुप्रथा से मुक्त करना था।

झटका मशीन और ब्लैट तार कशी के विरोध में बैठक का किया गया आयोजन

गौ सेवा संस्थान के लोगों ने गाय को राष्ट्र माता घोषित करने की उठाई मांग

बहजोई/संभल(सब का सपना):- गौ सेवा संस्थान की एक महत्वपूर्ण बैठक बम्बा रोड स्थित एन.के. समाजसेवी के कार्यालय पर आयोजित की गई। बैठक झटका मशीन में तेज करंट के प्रयोग और ब्लैट वाली तार कशी (कांटेदार तार) के विरोध में गौ सेवकों एवं समाज हित संरक्षण समिति के नगर अध्यक्ष विकास वाष्णेय के नेतृत्व में संपन्न हुई kबैठक में सर्वप्रथम उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति के प्रदेश सचिव नरेंद्र कुमार समाजसेवी और कंडेरे समाज के जिला अध्यक्ष नितिन नागर ने प्रधानमंत्री से गाय को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि यदि गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिया जाता है तो पूरे देश में गोहत्या पर सख्त प्रतिबंध लगेगा और गौ मांस पर भी रोक सुनिश्चित होगी। गोला गंज के चामुंडा मंदिर से संजीव गोयल सोनू और अधिवक्ता बीरेन्द्र गुप्ता ने कहा कि झटका मशीन के तेज करंट से पशुओं के साथ-साथ पक्षियों को भी नुकसान पहुंचता है। कई बार पक्षी करंट की चपेट में आकर उड़ने में असमर्थ हो जाते हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि किसान अपनी फसलों की सुरक्षा के लिए झटका मशीन के बजाय दीवार बनवाएं या आर्थिक स्थिति कमजोर होने पर बल्ली में धोती/साड़ी बांधकर अथवा लोहे की जाली लगाकर भी जानवरों को रोका जा सकता है। भारतीय किसान यूनियन के जिला प्रचार मंत्री हनुमान शर्मा और बम्बा रोड निवासी दिनेश शर्मा ने बताया कि कुछ लोगों ने झटका मशीन छतों पर भी लगा रखी है, जिससे बंदरों की आवाजाही प्रभावित हो रही है। उनका कहना था कि यदि कपड़ों की सुरक्षा की चिंता है तो लोहे की जाली लगाई जा सकती है, न कि करंट का सहारा लिया जाए। गौ सेवा संस्थान के अध्यक्ष एवं संस्थापक सदस्य बिपिन गुप्ता ने कहा कि ब्लैट वाली तार कशी से गाय और बछड़े घायल हो जाते हैं। कई मामलों में पशुओं की खाल तक छिल जाती है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार से घायल गायों का उपचार संस्थान द्वारा कराया गया है। उनका कहना था कि नियमों के अनुसार इस प्रकार के साधनों का दुरुपयोग अपराध की श्रेणी में आता है। शरद वाष्णेय बब्बा और विकास वाष्णेय ने चेतावनी दी कि यदि झटका मशीन के दुरुपयोग और तेज करंट लगाने वालों के खिलाफ ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो होली के बाद मार्च माह में तीनों संगठनों के पदाधिकारी उच्च अधिकारियों को ज्ञापन सौंपेंगे। बैठक में वक्ताओं ने आरोप लगाया कि पशु क्रूरता नियमों का खुलेआम उल्लंघन हो रहा है और संभल जिले में बिजली विभाग इस मुद्दे पर गंभीरता नहीं दिखा रहा है। इस अवसर पर संदीप दीक्षित, सोनू गोयल, हर्षित गुप्ता, देवेन्द्र वाष्णेय (परचूनी, नधोस), टिंकू गुप्ता सहित तीनों संगठनों के कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। बैठक का संचालन इंटर कॉलेज के दफ्तरी एवं पुस्तकालय सहायक विकास वाष्णेय ने किया।

शेख जाकिर हुसैन और अनुज मलिक के नेतृत्व में निकली रैली; विभिन्न चौराहों पर हुआ स्वागत, मतदाता सूची में अनियमितताओं का आरोप

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान कथित अनियमितताओं के विरोध में समाजवादी पार्टी ने बुधवार को एक विशाल साइकिल रैली निकाली। रैली का नेतृत्व पार्टी के जिलाध्यक्ष शेख जाकिर हुसैन और पूर्व ब्लॉक प्रमुख अनुज मलिक ने संयुक्त रूप से किया। रैली वैष्णो विहार स्थित अनुज मलिक के आवास से प्रारंभ होकर बैराज रोड, नुमाइश ग्राउंड, जजी चौक, शास्त्री चौक, सिविल लाइन, डाकघर चौराहा, रोडवेज चौराहा और कलेक्ट्रेट रोड से होते हुए पार्टी कार्यालय पर संपन्न हुई। सैकड़ों कार्यकर्ता साइकिलों पर सवार होकर अखिलेश यादव जिंदाबाद और पीडीए जिंदाबाद के नारे लगाते

रहे। रैली के दौरान कई स्थानों पर कार्यकर्ताओं का स्वागत किया गया। जजी चौराहे पर अधिवक्ताओं ने फूल-मालाओं से अभिनंदन किया, जबकि सिविल लाइन में रिक्शा यूनियन पदाधिकारियों और डाकघर चौराहे पर व्यापारियों ने भी समर्थन जताया। इससे कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ा और जनसमर्थन का संदेश सामने आया। जिलाध्यक्ष शेख जाकिर हुसैन ने आरोप लगाया कि एसआईआर के नाम पर बड़ी संख्या में गरीब, दलित, पिछड़े और अल्पसंख्यक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जा रहे हैं। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर आघात बताते हुए कहा कि पार्टी जनता को जागरूक करने के लिए यह अभियान चला रही है। अनुज मलिक ने कहा कि यह रैली केवल विरोध नहीं, बल्कि जन-जागृति का प्रयास है। उन्होंने दावा किया कि पार्टी नेतृत्व के मार्गदर्शन में किसी भी प्रकार की अनियमितता का लोकतांत्रिक तरीके से विरोध जारी रहेगा। रैली के समापन पर नेताओं ने कार्यकर्ताओं का आभार जताते हुए कहा कि मतदाता अधिकारों की रक्षा के लिए आंदोलन आगे भी जारी रहेगा। कार्यक्रम में क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग और पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

साहूवाला रेंज की खारी बीट में हाथी का मिला शव

बिजनौर (सब का सपना):- नजीबाबाद वन प्रभाग की साहूवाला रेंज की खारी बीट में एक हाथी का सड़ा हुआ शव मिलने से वन विभाग में हड़कंप मच गया। मामला बढ़ापुर क्षेत्र के जंगल का है, जहां पिछले कुछ दिनों से आ रही दुर्गंध के आधार पर वनकर्मियों ने तलाशी अभियान चलाया। जांच के दौरान झाड़ियों के बीच हाथी का शव बरामद हुआ।प्रारंभिक आकलन के अनुसार हाथी की मौत करीब एक सप्ताह पूर्व हुई प्रतीत होती है। मृत हाथी की उम्र लगभग आठ वर्ष बताई जा रही है। शव काफी हद तक सड़ चुका है, जिससे पहचान और अन्य तथ्यों की पुष्टि में सावधानी बरती जा रही है। सूचना मिलते ही वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। पशु चिकित्सकों की टीम ने घटनास्थल पर ही नियमानुसार

पोस्टमार्टम प्रक्रिया शुरू की। अधिकारियों का कहना है कि प्रथम दृष्टया मौत के कारण स्पष्ट नहीं हैं। जहर दिए जाने, किसी बीमारी या आपसी संघर्ष जैसी संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए नमूने जांच के लिए भेजे जा रहे हैं। सुरक्षा और साक्ष्य संरक्षण के मद्देनजर क्षेत्र की घेराबंदी कर दी गई है। मीडियाकर्मियों और आम लोगों को शव के निकट जाने से रोका गया है, ताकि जांच प्रभावित न हो। वन विभाग ने आसपास के जंगल क्षेत्रों में गश्त और निगरानी भी बढ़ा दी है। वन दरोगा नितिन ने पुष्टि की कि खारी बीट में हाथी का शव मिला है और उच्च अधिकारी स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा किया जाएगा और आगे की कार्रवाई तय होगी।

शंकराचार्य प्रकरण में निष्पक्ष जांच की मांग

बिजनौर में कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन, सरकार पर लगाए आरोप

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद मुख्यालय पर बुधवार को भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कार्यकताओं ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ दर्ज एफआईआर के विरोध में प्रदर्शन किया और प्रधानमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। पूर्व आईएएस आर.के. सिंह, पूर्व मंत्री ओमवती देवी, नगर अध्यक्ष हुमायूं बेग और नजाकत अली के नेतृत्व में कार्यकर्ता पार्टी कार्यालय पर एकत्र हुए। वहां से नारेबाजी करते हुए जुलूस के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंचे। प्रदर्शन में करीब 25 से 30 पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल रहे। ज्ञापन में कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार की हठधर्मिता के चलते शंकराचार्य और उनके शिष्यों को अनावश्यक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। माघ मेला प्रयागराज के दौरान मौनी अमावस्या पर स्नान से रोकने और कथित दुर्व्यवहार की घटनाओं का भी उल्लेख किया गया। कांग्रेस ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 और 26 का हवाला देते हुए कहा कि ये प्रावधान धार्मिक स्वतंत्रता और धार्मिक संप्रदायों को अपने मामलों के प्रबंधन का अधिकार प्रदान करते हैं। पार्टी ने दर्ज एफआईआर को झूठा मामला बताते हुए इसकी निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की मांग की। ज्ञापन में प्रधानमंत्री से अपील की गई कि मामले से जुड़े तथ्यों, परिस्थितियों और संबंधित अधिकारियों की भूमिका की जांच कर उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इस दौरान हाजी नसीम अंसारी, गुरमुख सिंह, हुकुम सिंह, त्रिलोक चंद्र शर्मा, मलखान सिंह सहित कई अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि धार्मिक अधिकारों की रक्षा के लिए पार्टी लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष जारी रखेगी।

सात दिन से नहीं मिल रही बिजली, बिना पानी के सूख रही फसल

कोतवाली देहात/बिजनौर (सब का सपना):- क्षेत्र के गांव मुस्सेपुर में पिछले सात दिन से बिजली के नही आने से किसानों की फसल सूखने लगी है। फसलो को पानी न मिलने से किसान परेशान हैं। गांव के किसान सत्यवीर सिंह ने एक सप्ताह पूर्व विधुत विभाग को शिकायती पत्र देकर फूके हुए ट्रांसफर को बदलबाने की मांग की थी । शिकायत करने के बाद भी कोई सुनवाई नही की जा रही है। किसानों का कहना है कि कृषि के लिए भी इस समय बिजली की बेहद जरूरत चल रही है। गन्ना बुआई का कार्य चल रहा हैं। बिजली न आने के कारण खेतो के पलेवे नही हो पा रहे है । प्रदेश सरकार द्वारा भी ग्रामीण क्षेत्रों में 18 घंटे आपूर्ति करने हेतु आदेश जारी कर रखें हैं, इसके बावजूद गांव मुस्सेपुर मे एक सप्ताह से बिजली नही है । किसानों का कहना है कि विद्युत विभाग के अधिकारी एक सप्ताह से आश्वासन दे रहे हैं कि कल ट्रांसफॉर्म बदलवा दिया जाएगा लेकिन आज तक भी ट्रांसफार्मर नहीं बदलवाया गया है। जिससे किसानों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है और ग्रामीणों में रोष व्याप्त है। विद्युत विभाग के जेई रामपाल सिंह का कहना है कि जल्द ही किसानों की समस्या का समाधान किया जाएगा।

प्राइवेट टीचर पर हैवानियत करने का आरोप

9 साल की मासूम बच्ची के साथ बलात्कार करने की तहरीर

नजीबाबाद/बिजनौर (सब का सपना):- एक प्राइवेट स्कूल के टीचर पर परिजनों ने 9 साल की बच्ची के साथ सुनसान जगह पर ले जाकर बलात्कार करने का सनसनीखेज आरोप लगाया है। पहले बच्ची के परिजन थाने में तहरीर दे ही रहे थे कि तभी एक दूसरी महिला भी प्राइवेट टीचर के खिलाफ अपनी 11 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए पहुंच गई। फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रही है। नगर निवासी एक युवक ने थाने में तहरीर देते हुए आरोप लगाया है कि उसकी एक 9 वर्षीय पुत्री पड़ोस के ही प्राइवेट स्कूल में कक्षा 3 की छात्रा है, जबकि टीचर भी उसका पड़ोसी है। आरोप है कि 23 फरवरी को शाम 5 बजे उसकी बेटी घर के बाहर खेल रही थी तभी पड़ोसी प्राइवेट टीचर उसकी पुत्री को अपने घेर में ले गया जहां पर वह अपने पशुओं को बांधता है। परिजनों का आरोप है कि उसने जबर्दस्ती उसकी बच्ची के साथ बलात्कार किया है, जिससे उसका पेडू भी दुःख रहा है। पुलिस इस मामले की जांच पड़ताल कर ही रही थी कि तभी एक दूसरी महिला भी अपनी बच्ची को लेकर थाने में पहुंच गई और उसने भी टीचर पर अपनी 11 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म का आरोप लगाया है। एक साथ दो परिजनों द्वारा आरोप लगाए जाने से पुलिस में हड़कंप मच गया। पुलिस इस पूरे प्रकरण की गहनता से जांच पड़ताल कर रही है। पुलिस अधीक्षक बिजनौर ने थाना अध्यक्ष नजीबाबाद को जांच पड़ताल कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

2027 में 50 फीसदी सीटों पर ब्राह्मण प्रत्याशी उतारेगी बसपा! आशीष पांडेय प्रदेश के पहले उम्मीदवार किए घोषित

कानपुर (एजेंसी) । विधानसभा चुनाव 2027 में बहुजन समाज पार्टी प्रदेश की 50 प्रतिशत सीटों पर ब्राह्मण प्रत्याशी उतारने की तैयारी में है। होली के बाद पार्टी कानपुर मंडल की 27 सीटों में से करीब 10 सीटों पर प्रभारियों की घोषणा कर सकती है। यूजीसी प्रकरण के बाद विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर उत्तर प्रदेश की राजनीति में अचानक से ब्राह्मण बिरादरी का दखल बढ़ गया है जिससे राजनीतिक दलों खासकर विपक्षी दलों की ओर से इस पर विशेष अमल किया जा रहा है। बहुजन समाज पार्टी इस पर पकड़ बनाने में सबसे आगे दिखाई दे रही है। पार्टी प्रमुख मायावती के निर्देशन में पदाधिकारियों की ओर से इस फामूर्ले पर काम भी शुरू कर दिया गया है। तय किया गया है कि यूपी में बसपा 40 से 50 सीटों पर ब्राह्मण प्रत्याशी उतार सकती है। जालौन के माधौगढ़ सीट से इसकी शुरूआत भी हो चुकी है। बताया जा रहा है कि प्रत्येक विधानसभा सीट पर चार-चार दावेदारों का पैनल बनाकर उनको कसौटी पर परखा जा रहा है।

इन्हीं में से एक को पहले विधानसभा क्षेत्र प्रभारी और बाद में प्रत्याशी घोषित कर दिया जाएगा। प्रभारी बनाने के बाद उसी को प्रत्याशी घोषित करने के लिए बसपा उसी विधानसभा क्षेत्र में बड़ा सम्मेलन करेगी। अकेले कानपुर मंडल की बात करें तो यहां कुल 27 विधानसभा सीटें हैं। फिलहाल बसपा के पास यहां एक भी विधायक नहीं है। होली बाद कानपुर मंडल की 10 सीटों पर प्रभारियों की घोषणा की संभावना पूरे प्रदेश की बात करें तो प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों में से बलिया की रसड़ा सीट से एक मात्र उमाशंकर सिंह बसपा विधायक हैं। होली बाद कानपुर मंडल की करीब 10 सीटों पर प्रभारियों की घोषणा हो सकती है। बसपा इस बार पार्टी ज्यादातर सीटों पर अपनी पकड़ बनाना चाहती है, यही वजह है कि विधानसभा प्रभारियों के नाम फाइनल करने के लिए उसने संगठन में फेरबदल किया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता नौशाद अली को कानपुर मंडल सहित आगरा, मेरठ और लखनऊ मंडल का प्रमुख बनाया है। नौशाद अली की मायावती से लखनऊ में देर तक चली वार्ता मंगलवार को भी संगठन और आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर नौशाद अली की बसपा प्रमुख मायावती से लखनऊ में देर तक वार्ता चली। उन्होंने बताया कि जल्द ही वह कानपुर मंडल के पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। संभावना है कि होली के तुरंत बाद कानपुर मंडल में कई विधानसभा सीटों पर प्रभारियों की घोषणा कर दी जाएगी। ब्राह्मण, मुस्लिम, दलित गठजोड़ पर काम कर रही पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए बहुजन समाज पार्टी संगठन और प्रत्याशियों का पैमाना तैयार किया है। ब्राह्मणों को चुनावी मैदान और मुस्लिम को संगठन के माध्यम से जोड़कर काम करने की योजना बनाई गई है। इसके लिए अपने कैडर वोट को भी पार्टी साथ लेकर चलेगी। यही वजह है कि बसपा प्रमुख ने नौशाद अली को प्रदेश के चार मंडलों कानपुर, आगरा, मेरठ और लखनऊ मंडल का प्रमुख बनाया गया है। बताया जा रहा है कि पार्टी पिछड़ों को भी चुनाव मैदान में उतारेगी। बाकी सुरक्षित सीटों पर बसपा का कैडर वोट काम करेगा, ऐसा पार्टी का मानना है।

सर्किल रेट और भूमि अधिग्रहण कानून को लेकर की मांग को लेकर किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा का हल्लाबोल, सौंपा ज्ञापन

किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा ने ग्रेटर नोएडा की सदर तहसील पर प्रदर्शन कर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विकास प्रधान के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने सर्किल रेट वृद्धि, भूमि अधिग्रहण कानून 2013 के प्रभावी क्रियान्वयन समेत कई मुद्दों को उठाया।

ग्रेटर नोएडा। किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विकास प्रधान के नेतृत्व में किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा के कार्यकताओं ने सदर तहसील पहुंचकर जिलाधिकारी महोदय, गौतम बुद्धनगर के नाम एसडीएम सदर आशुतोष एवं तहसीलदार सदर अजय कुमार को ज्ञापन सौंपा।

इस मौके पर किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आलोक नागर ने बताया कि ज्ञापन में जिले के किसानों की लंबित एवं गंभीर समस्याओं की मांग उठाई।

यह हैं किसानों की मांगें

सर्किल रेट में वृद्धि,

भूमि अधिग्रहण कानून 2013 को प्रभावी रूप से लागू करने,

प्रमाण पत्र एवं खतौनी संबंधी कार्यों में हो रही देरी,

तहसील में व्याप्त अव्यवस्थाओं व

भ्रष्टाचार,

परिवार रजिस्टर,

वारिसान नकल जारी करने,

पात्र ग्रामीणों के राशन कार्ड बनवाने के लिए शिविर लगाने की मांग।

क्या बोले लोकेश भाटी

किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ब्रिजेश भाटी और राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष लोकेश भाटी ने कहा कि किसान लंबे समय से अपनी जायज मांगों को लेकर तहसील और प्रशासन के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन समाधान नहीं हो पा रहा है।प्रशासन को एक सप्ताह का समय दिया गया है कि सभी मुद्दों पर ठोस और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। यदि निर्धारित समयावधि में समस्याओं का समाधान नहीं होता है तो संगठन अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होगा, जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

इस मौके पर प्रताप नागर, रवींद्र प्रधान, नासिर प्रधान, संजय कसाना, नरेन्द्र भाटी, विनोद मलिक, राजकुमार रूपवास, उमेश राणा, अशोक भाटी, सरोज, भारत नागर,अब्दुल नईम, आशु अट्टा , सुमित नागर, फिरे नागर , बसंत,जितेंद्र , अरुण आदि काफी संख्या में किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जम्मू-कश्मीर में शहीद हुए सुधीर नरवाल के परिवार को मिली सहायता राशि, पीएनबी ने सौंपा 1 करोड़ का चैक

यमुनानगर : जम्मू-कश्मीर के डोडा में 22 जनवरी को शहीद हुए सुधीर नरवाल के परिजनों को पंजाब नेशनल बैंक ने पीएनबी रक्षक प्लस स्कीम के तहत सहायता देते हुए आज एक करोड़ रुपए का चैक सौंपा। यमुनानगर के खंड छछरौली शाखा के खाताधारक सुधीर नरवाल जनवरी में शहीद हो गए थे। इस मौके सहायक महाप्रबंधक रवि रंजन कुमार और सीनियर मैनेजर विकास शर्मा ने बताया कि पीएनबी रक्षक प्लस स्कीम के तहत खाताधारक शहीद सुधीर नरवाल के परिजनों को एक करोड़ रुपए का चैक दिया गया है। उन्होंने बताया कि इसके अलावा सीनियर सिटीजन, महिलाओं को भी बैंक द्वारा कई तरह की विशेष सुविधाएं उपलब्ध हैं। खाताधारक को बिना किसी अतिरिक्त प्रीमियम के इंश्योरेंस का लाभ भी दिया जाता है। पंजाब नेशनल बैंक यमुनानगर द्वारा

यमुनानगर में आयोजित क्लस्टर मीट एमएसएमई के कार्यक्रम में उपस्थित व्यापारियों एवं उद्योगपतियों को संबोधित करते डीजीएम त्रिमूर्ति शिव पांडे ने कहा कि पंजाब नेशनल बैंक सदैव अपने ग्राहकों एवं देशवासियों के सुख-दुख में शामिल होकर उनकी हर संभव सहायता करने के लिए तत्पर है। देश एवं विदेशों में करोड़ संतुष्ट ग्राहकों के कारण ही पंजाब नेशनल बैंक दिन पतिदिन आगे बढ़ रहा है।

सरहद पर देश की रक्षा करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान करने वाले देश के सपूतों को नमन करते हुए पंजाब नेशनल बैंक उनके परिजनों की हर संभव सहायता के लिए सदैव तत्पर रहता है ।

इस अवसर पर उद्योगपतियों ने भी पीएनबी द्वारा दिए जा रहे लाभ पर संतोष प्रकट किया। गौरतलब है कि 22 जनवरी को जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में सेना का एक वाहन गहरी खाई में गिर गया था। इस दर्दनाक हादसे में 10 जवान शहीद हो गए थे, जबकि 11 जवान गंभीर रूप से घायल हुए थे। इस हादसे में सुधीर नरवाल ने भी देश की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए।

खो बैराज में लापता युवक का पांचवें दिन भी सुराग नहीं

शेरकोट/बिजनौर (सब का सपना):- खो नदी में छलांग लगाने वाले युवक का पांच दिन बाद भी कोई सुराग नहीं लग सका है। इससे व्यथित परिजनों ने बुधवार को खो बैराज पहुंचकर प्रशासन से खोज अभियान तेज करने की मांग की। इस दौरान भावुक अपील का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। हालांकि वायरल वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। जानकारी के अनुसार धामपुर निवासी योगेश सैनी, पुत्र दिनेश सैनी, ने बीते शनिवार को खो बैराज पुल से नदी में छलांग लगा दी थी। घटना के बाद से पुलिस प्रशासन और 23वीं बटालियन पीएसी मुरादाबाद की टीम द्वारा लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। गोताखोरों और अन्य संसाधनों की मदद से युवक की तलाश की जा रही है, लेकिन अब तक कोई सफलता हाथ नहीं लगी है। बुधवार को परिजन खो बैराज पहुंचे और खोज कार्य में तेजी लाने की मांग को लेकर आक्रोश जताया। उनका कहना है कि घटना के बाद से वे लगातार प्रशासन के संपर्क में हैं, लेकिन अभी तक युवक का पता नहीं चल सका है। परिवार ने अतिरिक्त संसाधन और व्यापक स्तर पर सर्च अभियान चलाने की अपील की है। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में परिजन अपने लापता बेटे को लेकर गहरी व्यथा व्यक्त करते दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने प्रशासन और मीडिया से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि हर गुजरता दिन उनके लिए भारी पड़ रहा है और अनिश्चितता की स्थिति ने उन्हें मानसिक रूप से बेहद परेशान कर दिया है। फिलहाल पुलिस और पीएसी की टीम द्वारा नदी क्षेत्र में सघन तलाश अभियान जारी है। प्रशासन का कहना है कि उपलब्ध संसाधनों के साथ लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और जैसे ही कोई जानकारी मिलेगी, परिजनों को अवगत करा दिया जाएगा।

अमृत पानी मेगा इवेंट का किया गया आयोजन

किसानों को सिखाए गये प्राकृतिक खेती के गुर

नूरपुर/बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के विकास खंड नूरपुर के ग्राम नंगली जाजू में डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया की टीम द्वारा अमृत पानी मेगा इवेंट का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को कम लागत में रसायनों का प्रयोग घटाकर बेहतर उत्पादन और मृदा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में कृषि विभाग से कृषि सहायक अमित कुमार, नूरपुर की ब्लॉक प्रमुख आकांक्षा चौहान, ऑर्गेनिक एफपीओ की एमडी हितेश चौधरी, और डब्ल्यू.डब्ल्यू.एफ इंडिया के सीनियर प्रोजेक्ट मैनेजर पंकज कुमार व कपिल सैनी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में नंगली जाजू, नंगली पथवारी, कासमपुर टांडा और मुबारकपुर नवादा आदि ग्रामों के सैकड़ों किसानों ने हिस्सा लिया। किसानों को अमृत पानी, जीवामृत और घन जीवामृत बनाने व उनके उपयोग की विस्तृत जानकारी दी गई । कार्यक्रम के दौरान 20 किसानों के खेतों की मिट्टी की जांच की गई और गांव में 30 अमृत पानी प्रोडक्शन सेंटर भी स्थापित कराए गए।

ब्लॉक प्रमुख आकांक्षा चौहान और कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा डब्ल्यूडब्ल्यूएफ इंडिया की टीम के प्रयासों की सराहना की गई।

सीएम रेखा गुप्ता का बेमिसाल 1 साल: 5 में खाना, 10 लाख का मुफ्त इलाज और 700 करोड़ का, चेक करें सरकार का रिपोर्ट कार्ड

दिल्ली की सीएम गुप्ता ने अपनी सरकार के साथ राजधानी में 1 साल पूरा कर लिया है। यह साल सरकार के लिए बेमिसाल रहा है। सरकार ने बीते 365 दिनों का रिपोर्ट कार्ड जारी करते हुए अपनी उपलब्धियों के बारे में जानकारी साझा की है

दिल्ली : दिल्ली की सीएम गुप्ता ने अपनी सरकार के साथ राजधानी में 1 साल पूरा कर लिया है। यह साल सरकार के लिए बेमिसाल रहा है। सरकार ने बीते 365 दिनों का रिपोर्ट कार्ड जारी करते हुए अपनी उपलब्धियों के बारे में जानकारी साझा की है। इसी के साथ सीएम ने विश्वास दिलाया है कि जहाँ पहला साल दिल्ली की कार्यशैली बदलने का था, वहीं अगले चार साल शहर की सूरत बदलने वाले साबित होंगे। बुनियादी ढाँचे और परिवहन में हुआ बड़ा बदलाव सीएम रेखा गुप्ता ने बताया कि सार्वजनिक परिवहन को आधुनिक बनाने के लिए एक साल के भीतर सड़कों पर 4,000 नई इलेक्ट्रिक बसें उतारी गई हैं। इसके साथ ही, यमुना पार क्षेत्र के विकास को गति देने के लिए 'यमुना पार विकास बोर्ड' का पुनर्गठन कर 700 करोड़ रुपये का विशेष फंड जारी किया गया है। प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में भी सरकार ने कदम बढ़ाते हुए 37 नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (STP) स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जन-कल्याणकारी योजनाओं पर भी दिया जोर सरकार की प्राथमिकताओं को गिनाते हुए मुख्यमंत्री ने निम्नलिखित मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डाला- सस्ता भोजनः दिल्ली में 70 अटल कैंटीन के माध्यम से मात्र 5 रुपये में पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। डिजिटल शिक्षाः सरकारी स्कूलों को हाईटेक लैब और आधुनिक डिजिटल उपकरणों से लैस किया गया है। सुगम उत्सवः त्योहारों के आयोजन के लिए 'सिंगल विंडो' अनुमति प्रणाली लागू की गई है। स्वास्थ्य सेवाः आयुष्मान योजना के तहत 10 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा सुनिश्चित की गई है। क्षेत्रीय विकास और बुनियादी समस्याएँ सांसद मनोज तिवारी ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए वजीराबाद मेट्रो स्टेशन का नाम बदलकर 'जगतपुर वजीराबाद' करने और सोनिया विहार व कावड़ रोड के चौड़ीकरण जैसे स्थानीय मुद्दों के समाधान की सराहना की। वहीं, प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि सरकार केवल घोषणाओं में नहीं बल्कि धरातल पर काम कर रही है और 5 साल बाद अपने कार्यों के आधार पर ही जनता के बीच जाएगी। इस दौरान दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा, महापौर राजा इकबाल सिंह और कई अन्य विधायक व पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

होली पर सुरक्षा के लिए दिल्ली विश्वविद्यालय में 24 घंटे कंट्रोल रूम रहेगा सक्रिय

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस बार पहले से व्यापक सुरक्षा योजना लागू करने का फैसला किया है। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि होली के नाम पर किसी भी प्रकार की बदसलूकी, अव्यवस्था या अनुशासनहीनता को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। विश्वविद्यालय की ओर से जारी निदेशों के अनुसार चार मार्च 2026 तक नॉर्थ और साउथ कैंपस में संयुक्त कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं, जो 24 घंटे सक्रिय रहेंगे। परिसर में सुरक्षा कर्मियों की संख्या बढ़ाने के साथ पुलिस की मोबाइल पेट्रोलिंग भी तेज की जाएगी। विशेष रूप से वामिका नामक पुलिस वाहन की तैनाती लगातार निगरानी सुनिश्चित करेगी। आपात स्थिति में छात्र निर्धारित हेल्पलाइन नंबर या पुलिस से सीधे संपर्क कर सकेंगे।प्रशासन ने सभी कालेजों और छात्रावासों को आंतरिक सुरक्षा मजबूत करने के निर्देश दिए हैं। बाहरी व्यक्तियों की एंट्री पर कड़ी नजर रखी जाएगी और संदिग्ध गतिविधियों की तुरंत सूचना देने को कहा गया है। डीन ऑफ स्टूडेंट्स वेलफेयर, प्राक्टोरियल बोर्ड और सुरक्षा एजेंसियां संयुक्त रूप से निगरानी रखेंगी। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. विकास गुप्ता ने छात्रों से अपील की है कि वे नियमों का पालन करें और त्योहार को भाईचारे व जिम्मेदारी के साथ मनाएं। वहीं, दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी प्रशासन को पूर्ण सहयोग का भरोसा दिया है, ताकि परिसर में शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल बना रहे।

राहवीर योजना: सड़क दुर्घटना पीड़ितों की मदद पर मिलेंगे 25 हजार, दिल्ली के लिए नई स्कीम

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने केंद्र सरकार की राहवीर योजना को दिल्ली में लागू करने का फैसला लिया है। जल्द ही योजना को लागू किया जा सकता है। योजना के तहत सड़क दुर्घटनाओं में गंभीर रूप से घायलों की मदद करने वाले नागरिकों को 25 हजार रुपये की नकद पुरस्कार राशि और प्रशस्ति पत्र दिया जाएगा। आप सरकार में यह योजना मात्र दो हजार रुपये की थी। साथ ही, कुछ समय से यह योजना बंद भी थी। मानवता का परिचय दे सकें मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने यह जानकारी देते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने इस मानवीय पहल को प्रोत्साहन देने के लिए आर्थिक पुरस्कार की व्यवस्था की है ताकि आम नागरिक बिना किसी भय के दुर्घटना पीड़ितों की सहायता कर सकें और मानवता का परिचय दे सकें। लोगों को आगे आने के लिए प्रोत्साहित करेगी मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य आम जनता को सड़क दुर्घटना के पीड़ितों को गोल्डन आवर के भीतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित करना है। केंद्र सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय का मानना है कि अगर ज्यादा लोग आगे आकर मदद करेंगे तो सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अक्सर लोग कानूनी झंझट या पुलिस कार्रवाई के भय से मदद करने से बचते हैं, लेकिन यह योजना उस भय को दूर कर लोगों को आगे आने के लिए प्रोत्साहित करेगी। तत्काल अस्पताल पहुंचाने का साहस करेंगे उन्होंने कहा कि दिल्ली जैसे महानगर में प्रतिदिन हजारों वाहन सड़कों पर चलते हैं, गोल्डन आवर के भीतर चिकित्सा सहायता उपलब्ध होना जीवन और मृत्यु के बीच निर्णायक साबित हो सकता है। यह योजना कई परिवारों को असमय शोक से बचाने में सहायक हो सकती है। मदद करने वाले को प्रोत्साहन राशि और कानूनी संरक्षण मिलने से ज्यादा लोग दुर्घटना पीड़ितों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने का साहस करेंगे, जिससे अनमोल जीवन बचाए जा सकेंगे। संकटग्रस्त व्यक्ति की स्वेच्छा से सहायता मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि दिल्ली सरकार इस योजना को प्रभावी ढंग से लागू कर सड़क सुरक्षा और मानवीय संवेदनशीलता दोनों को मजबूत करेगी। इन नियमों के तहत ऐसे नागरिकों को कानूनी संरक्षण प्रदान किया गया है जो किसी घायल, असहाय या संकटग्रस्त व्यक्ति की स्वेच्छा से सहायता करते हैं। गोल्डन ऑवर के भीतर अस्पताल पहुंचाने पर पुरस्कार के पात्र होंगे मुख्यमंत्री ने कहा कि योजना के तहत कोई भी व्यक्ति, जिसने किसी गंभीर सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को तत्काल सहायता दी हो और उसे गोल्डन आवर के भीतर अस्पताल या ट्रामा सेंटर पहुंचाया हो, वह पुरस्कार के लिए पात्र होगा। ऐसे प्रत्येक मामले में राह-वीर को 25 हजार रुपये की नकद राशि प्रदान की जाएगी। यदि कोई व्यक्ति एक ही दुर्घटना में एक से अधिक पीड़ितों की जान बचाता है, तो भी उसे अधिकतम 25 हजार रुपये ही प्रदान किए जाएंगे। इस योजना के तहत वर्ष भर में चयनित 10 सर्वश्रेष्ठ राह-वीरों को राष्ट्रीय स्तर पर एक-एक लाख रुपये का विशेष पुरस्कार भी दिया जाएगा। प्रत्येक पुरस्कार के साथ प्रशस्ति पत्र भी दिया जाएगा। यहां बता दें इससे पहले दिल्ली में केजरीवाल सरकार के समय सड़क दुर्घटना पीड़ितों की मदद के ही उद्देश्य से फरिश्ते योजना लागू की गई थी। इसमें केवल 2000 की सम्मान राशि दिए जाने का प्रविधान था। मगर यह योजना कुछ सालों बाद बंद हो गई थी। योजना के क्रियान्वयन को जिलास्तर पर मूल्यांकन समिति बनेगी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए जिला स्तर पर मूल्यांकन समिति गठित की जाएगी। इस समिति में जिला मजिस्ट्रेट, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी और क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी शामिल होंगे। चयनित राह-वीरों को पुरस्कार राशि सीधे उनके बैंक खाते में आनलाइन ट्रांसफर की जाएगी। इसके लिए अलग बैंक खाता रखा जाएगा और पूरी प्रक्रिया को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दर्ज किया जाएगा। केंद्र राज्यों को प्रारंभिक अनुदान भी प्रदान करेगा।

दिल का टूटना आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं, दिल्ली हाई कोर्ट की अहम टिप्पणी; आरोपी को जमानत

नई दिल्ली। धर्म बदलने के लिए मजबूर करके आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में आरोपित को जमानत देते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने अहम टिप्पणी की है। न्यायमूर्ति मनोज जैन की पीठ ने कहा, "प्रेम के रिश्ते का टूटना आत्महत्या के लिए उकसाने का अपराध नहीं है।" अपीलकर्ता नूर मोहम्मद की अपील को स्वीकार करते हुए पीठ ने कहा, "आजकल टूटे हुए रिश्ते और दिल टूटना आम बात हो गई है, लेकिन सिर्फ रिश्ता टूटना अपने आप में उकसाने का मामला नहीं बन सकता।" धर्म बदलने की शर्त दरअसल, 27 साल की महिला ने अक्टूबर 2025 में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। उसके पिता ने बाद में पुलिस में शिकायत दर्ज कराकर नूर मोहम्मद पर आरोप लगाया था कि शादी करने के लिए उसने धर्म बदलने को शर्त बनाकर उसे आत्महत्या के लिए उकसाया। पिता की शिकायत पर आरोपित को गिरफ्तार किया गया था और उसने जमानत देने की मांग को लेकर याचिका दायर की थी। अपीलकर्ता ने तर्क दिया कि वह आठ साल तक महिला के साथ संबंध में रहा और उन्होंने शादी करने की तैयारी की थी। हालांकि, महिला के परिवार ने उनके धर्म अलग होने की वजह से रिश्ते का विरोध किया और इसके बाद वे अलग हो गए। महिला ने कोई सुसाइड नोट नहीं छोड़ा अदालत ने रिकॉर्ड पर लिया कि महिला ने कोई सुसाइड नोट नहीं छोड़ा था, जिसमें अपीलकर्ता को दोषी ठहराया गया हो या इतना बड़ा कदम उठाने की कोई वजह बताई गई हो। अदालत ने कहा कि मरने से पहले दिया गया कोई बयान भी नहीं है, जिससे यह पता चले कि मरने वाली के दिमाग में क्या चल रहा था, जब उसने इतना बड़ा कदम उठाया। दूसरी औरत से शादी करते देख हुई दुखी कोर्ट ने पाया कि उनके आठ साल के संबंध में, महिला ने आरोपित के खिलाफ कोई शिकायत नहीं की। अदालत ने यह भी कहा कि उसके दोस्तों के बयानों से पता चलता है कि महिला अपीलकर्ता को दूसरी औरत से शादी करते देखकर कितनी दुखी थी। अदालत ने कहा कि साफ तौर पर, यह टूटे हुए रिश्ते का मामला लगता है और संभावना है कि मृतका ने अपीलकर्ता के किसी और से शादी करने की बात पता चलने पर खुद को खत्म करने का फैसला किया हो। जमानत पर रिहा करने का आदेश अदालत ने आरोपित को 25,000 रुपये के निजी मुचलके व इतनी ही राशि के एक जमानती पर जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। साथ ही, कहा कि आरोपित पीड़ित परिवार के सदस्य से संपर्क नहीं करने करेगा और न ही उन्हें प्रभावित करने की कोशिश करेगा।

डिजिटल अरेस्ट फ्रॉड पर उइकका बड़ा प्रहार: 1.86 करोड़ की ठगी का खुलासा, 6 राज्यों में रेड, तीन आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। साइबर अपराध के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए केंद्रीय जांच ब्यूरो (उइक) ने डिजिटल अरेस्ट ठगी से जुड़े एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है। केरल के कोट्टायम के एक बुजुर्ग से करीब 1.86 करोड़ रुपये की ठगी के मामले में एजेंसी ने देश के छह राज्यों में एक साथ छापेमारी कर तीन लोगों को गिरफ्तार किया। जांच में संकेत मिले हैं कि इस नेटवर्क की जड़ें कई राज्यों तक फैली हुई थीं और इसके अंतरराष्ट्रीय संपर्क भी हो सकते हैं। किन राज्यों में हुई कार्रवाई? उइक की टीमों ने गोवा, बेंगलुरु (कर्नाटक), पलक्कड़ (केरल), नागपुर (महाराष्ट्र), हैदराबाद (तेलंगाना) और दिल्ली में एक साथ सर्च ऑपरेशन चलाया। रेड के दौरान कई डिजिटल डिवाइस, डेबिट कार्ड, बैंक से जुड़े दस्तावेज और अन्य अहम साक्ष्य जब्त किए गए। इन सामग्रियों की फॉरेंसिक जांच जारी है, जिससे पूरे नेटवर्क की परतें खुलने की उम्मीद है। ऐसे रचते थे ठगी का जाल प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरोह दो प्रमुख तरीकों से वारदात को अंजाम देता थाः 1. म्यूल बैंक अकाउंट नेटवर्क फर्जी या किराए पर लिए गए बैंक खातों का उपयोग कर ठगी की रकम को तेजी से अलग-अलग खातों में ट्रांसफर किया जाता था, ताकि ट्रैक करना मुश्किल हो सके। 2. फर्जी सिम और ङउ धोखाधड़ी 5ऋ अपग्रेड या मोबाइल सेवा अपडेट का झांसा देकर लोगों से ङउ दस्तावेज लिए जाते थे। उन्हीं दस्तावेजों के जरिए सिम कार्ड जारी कर फ्रॉड कॉल किए जाते थे। जांच एजेंसियों के मुताबिक, ठगी की रकम को आगे क्रिप्टोकरेंसी और शेल कंपनियों के माध्यम से छिपाया जाता था। कौन हैं गिरफ्तार आरोपी? ब्लेसिन जैकब अब्राहम (गोवा) झ्र होटल से पकड़ा गया। म्यूल अकाउंट ऑपरेटर के रूप में काम करता था और क्रिप्टो ट्रांजैक्शन के जरिए रकम ट्रांसफर करने में अहम भूमिका निभाता था। मोहम्मद मुश्ताक (नागपुर) झ्र शेल कंपनी के माध्यम से बैंक खाते संचालित करता था और ठगी की राशि अपनी कंपनी के खाते में मंगवाता था। मोहम्मद जुनैद (बेंगलुरु) झ्र फर्जी सिम कार्ड उपलब्ध कराने का जिम्मा संभालता था। 5ऋअपग्रेड के नाम पर लोगों के दस्तावेज इकट्ठा करता था। जांच जारी, विदेशी कनेक्शन की भी पड़ताल उइकने स्पष्ट किया है कि जांच अभी शुरूआती दौर में है। एजेंसी इस नेटवर्क से जुड़े अन्य सदस्यों और संभावित विदेशी संपर्कों की भी जांच कर रही है। यह कार्रवाई डिजिटल अरेस्ट जैसे साइबर फ्रॉड के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान का हिस्सा है। एजेंसी का उद्देश्य संगठित साइबर अपराधियों पर सख्त कार्रवाई कर डिजिटल सिस्टम में लोगों का भरोसा बनाए रखना है। एजेंसी ने नागरिकों से अपील की है कि किसी भी कॉल/वीडियो कॉल पर खुद को सरकारी अधिकारी बताकर ह्लडिजिटल अरेस्टह्व या कानूनी कार्रवाई की धमकी दी जाए तो घबराएं नहीं। संदिग्ध कॉल, लिंक या भुगतान मांगने पर तुरंत राष्ट्रीय साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें और व्यक्तिगत/बैंकिंग जानकारी साझा करने से बचें।

सर्वाइकल कैंसर रोका जा सकता है या नहीं, HPV टीकाकरण पर क्या कहते हैं डॉक्टर?

नई दिल्ली। केंद्र सरकार इस महीने के अंत तक देशभर में 14 वर्ष की लड़कियों के लिए सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ निःशुल्क टीकाकरण का 90 दिन का विशेष अभियान शुरू करने जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की सिफारिश के अनुरूप डोर-टू-डोर रणनीति के तहत 14 वर्ष की आयु पूरी कर चुकी किशोरियां सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों पर मुफ्त टीका लगवा सकेंगी। इस वर्ष लगभग 1.15 करोड़ लड़कियां इस आयु वर्ग में शामिल होंगी। राजधानी दिल्ली में इस राष्ट्रीय अभियान को राज्य की कैंसर रोकथाम रणनीति से जोड़ा जा रहा है। सर गंगा राम अस्पताल की गायनेकोलॉजी एंडोस्कोपी विशेषज्ञ डॉ. कनिका जैन ने लढश वैक्सीनेशन कार्यक्रम को महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि कम उम्र में, पहले संक्रमण से पहले टीकाकरण 93 से 100 प्रतिशत तक सुरक्षा दे सकता है। उनके अनुसार भारत में हर साल लगभग 80,000 नए मामले सामने आते हैं और करीब 40,000 महिलाओं की मौत इस रोके जा सकने वाले कैंसर से होती है। राष्ट्रीय राजधानी में वर्ष 2023 में सर्वाइकल कैंसर के 741 मामले दर्ज हुए थे, जो 2025 में घटकर 692 हो गए। हालांकि यह गिरावट सकारात्मक संकेत है, फिर भी यह महिलाओं के लिए गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बनी हुई है। इसी को ध्यान में रखते हुए दिल्ली सरकार ने दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट (डीएससीआई) के माध्यम से कैंसर जागरूकता, रोकथाम एवं स्क्रीनिंग कार्यक्रम (कैप्स) शुरू किया है। दिल्ली सरकार की ओर से उठाए गए प्रमुख कदम स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह के अनुसार सर्वाइकल कैंसर टीकाकरण और समय पर जांच सरकार की प्राथमिकता है। एससीआई के निदेशक डॉ. विनोद कुमार ने बताया किः अत्याधुनिक मोबाइल कैंसर स्क्रीनिंग वैन मोहल्लों तक पहुंचाई जा रही हैं। इन वैनों में मैमोग्राफी और HPV डीएनए जांच की सुविधा उपलब्ध है। सर्वाइकल कैंसर की जांच के लिए सेल्फ-टेस्टिंग किट भी दी जा रही है। सर्वाइकल कैंसर का टीकाकरण क्यों जरूरी है? वैक्सीन एलायंस गावी के अनुसार भारत में महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर प्रमुख कैंसरों में से एक है। हर साल 1.25 लाख महिलाएं इससे ग्रस्त होती हैं और लगभग 75 हजार की मृत्यु हो जाती है। विशेषज्ञों का मानना है कि समय पर टीकाकरण से 30 वर्ष की उम्र तक कैंसर का जोखिम 85% तक कम किया जा सकता है।

बाजार में एक डोज की कीमत 3,927 रुपये है। भारत में गावी वैक्सीन एलायंस के सहयोग से कुल 2.6 करोड़ डोज उपलब्ध कराई जाएंगी।

यह कार्यक्रम तीन वर्षों में चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। शुरूआती दो वर्षों में एचपीवी संक्रमण की रोकथाम के लिए स्वदेशी वैक्सीन सवार्वैक का उपयोग किया जाएगा।

इसे सीरम इंस्टिट्यूट ऑफ इंडिया ने विकसित किया है। यह वैक्सीन एचपीवी (ह्यूमन पैपिलोमा वायरस) के टाइप 16 और 18 से सुरक्षा प्रदान करती है, जो सर्वाइकल कैंसर के प्रमुख कारण हैं।

साथ ही यह टाइप 6 और 11 से भी बचाव देती है। कुल मिलाकर, केंद्र का राष्ट्रीय टीकाकरण अभियान और दिल्ली की सक्रिय स्क्रीनिंग रणनीति मिलकर राजधानी में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम को नई दिशा दे सकती है-जहां लक्ष्य है समय पर पहचान, रोकथाम और सुलभ उपचार।

पश्चिमी दिल्ली में क्रिकेट के विवाद में 15 साल के किशोर की हत्या, 3 नाबालिगों ने बैट से पीट-पीटकर मार डाला

नई दिल्ली। राजधानी में नाबालिगों द्वारा किए जाने वाले अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। अब पश्चिमी जिले के तिलक नगर में नाबालिगों ने एक साथी की हत्या कर दी। पुलिस के मुताबिक, सोमवार शाम वुडलैंड पार्क में क्रिकेट खेलते समय 15 वर्षीय किशोर और 12 वर्षीय बच्चे के बीच पहले बल्लेबाजी करने को लेकर कहासुनी हो गई। बात बढ़ने पर दोनों में हाथपाई शुरू हो गई तो वहां मौजूद लोगों ने हस्तक्षेप कर दोनों को अलग करा दिया। इसके बाद दोनों अपने-अपने घर लौट गए। आरोप है कि बच्चे ने इस झगड़े की जानकारी घर पर दे दी। इसके बाद वह अपने दो चचेरे नाबालिग भाइयों (13 और 17 वर्षीय) के साथ नाबालिग की तलाश में निकल पड़ा। शाम को तीनों ने किशोर को घेर लिया और बैट से उसके सिर व गर्दन पर कई वार किए। इससे किशोर बेसुध हो गया, लेकिन बच्चा और उसके चचेरे भाई उस पर बैट से हमला करते रहे। इसी बीच लोगों को वहां आता देख तीनों भाग गए। पुलिस उसे दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल ले जाने लगी, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। मृतक चार भाइयों में से सबसे छोटा था। उसके पिता चाय की दुकान चलाते हैं। बेटे की असमय मौत से परिवार में कोहराम मचा है। पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त डी. शरद भास्कर ने बताया कि किशोर न्याय अधिनियम के प्रविधानों के तहत कार्रवाई की जा रही है। मामला दर्ज कर बच्चे और उसके नाबालिग भाइयों को पकड़ लिया गया है। वर्ष 2026 के शुरूआती 55 दिनों में नाबालिगों द्वारा किए गए अपराध राजधानी में नाबालिगों द्वारा अंजाम दिए गए अपराधों में किसी प्रकार की कमी दर्ज नहीं की जा रही है। इन 55 दिनों में ही पांच बड़ी घटनाओं में नाबालिगों ने पांच लोगों की जान ले ली है, जिसमें एक द्वारका हादसा भी है। इसमें नाबालिग स्कार्पियो चालक ने रील बनाते हुए लापरवाही से तेज रफ्तार में गाड़ी चलाने के दौरान एक बाइक सवार को टक्कर मार दी थी, जिसके बाइक सवार युवक साहिल की मौके पर ही मौत हो गई थी। नाबालिगों द्वारा हाल में की गई वारदात 18 फरवरीः नजफगढ़ में चोरी के इरादे से घुसे दो किशोरों ने विरोध करने पर एक बुजुर्ग महिला की गला दबाकर हत्या कर दी थी। 10 फरवरीः ख्याला में दो नाबालिगों ने पुरानी रंजिश में एक किशोर की गर्दन पर चाकू से वार कर उसकी हत्या कर दी थी। 12 जनवरीः शाहदरा में एक 16 वर्षीय नाबालिग ने अपने ही पड़ोसी की चाकू गोदकर हत्या कर दी थी। विवाद महज 500 के लेनदेन को लेकर हुआ था।

'दिल्ली में नफरत और भेदभाव की कोई जगह नहीं', नॉर्थ ईस्ट की युवतियों से मिलीं उट रेखा गुप्ता; मिला फुल सपोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली के मालवीय नगर में अरुणाचल प्रदेश की तीन महिलाओं के साथ हुए नस्लीय दुर्व्यवहार पर अपनी सख्ती दिखाने के लिए एक वीडियो जारी कर एक संदेश दी। उन्होंने नॉर्थईस्ट की लड़कियों के साथ हुए बुरे बर्ताव के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया है। तीनों लड़कियों से मिलेंगी सीएम रेखा गुप्ता सीएम रेखा गुप्ता ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, "आज, मैं नॉर्थ ईस्ट के अपने उन युवा दोस्तों से मिली, जो दिल्ली में हाल ही में हुई दुखद घटना से प्रभावित हुए हैं। वे हिम्मत वाले, हिम्मत वाले और उम्मीदों से भरे हुए हैं। मैंने उन्हें इस मुश्किल समय में अपना पूरा सपोर्ट देने का भरोसा दिया है।" यह वीडियो भी देखें उन्होंने कहा, "मैं यह साफ करना चाहती हूं कि दिल्ली विविधता, सम्मान और आपसी सम्मान का शहर है। इस घटना में शामिल बदमाशों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली में नफरत, भेदभाव, धमकी या नस्लभेद के लिए बिल्कुल कोई जगह नहीं है। ऐसा व्यवहार मंजूर नहीं है और किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।" उन्होंने आगे कहा, "मैं सभी से गुजारिश करती हूं कि इस सेंसिटिव मामले पर पॉलिटिक्स न करें। हमारे युवा स्टूडेंट्स की इज्जत, सुरक्षा और भविष्य सबसे ऊपर रहना चाहिए। मैं सभी संबंधित लोगों से यह भी गुजारिश करती हूं कि वे युवा स्टूडेंट्स और उनके परिवारों की प्राइवेसी का सम्मान करें। हमें उन्हें इस समय वह जगह, सपोर्ट और भरोसा देना चाहिए जिसकी उन्हें जरूरत है। पुलिस के अनुसार, रविवार को मालवीय नगर में तीन अरुणाचल प्रदेश की महिलाओं के किराए के अपार्टमेंट में एयर कंडीशनर की मरम्मत के दौरान ड्रिलिंग से धूल-मिट्टी नीचे गिरने पर पड़ोसी दंपति रूबी जैन और उनके पति हर्ष सिंह के साथ विवाद हुआ। मामला छोटा शुरू हुआ, लेकिन आरोप है कि दंपति ने महिलाओं पर नस्लीय गालियां बरसाईं, उन्हें 'मोमो' कहकर चिढ़ाया, 'सेक्स वर्कर', 'मसाज पार्लर' और 'धंधा' जैसी अपमानजनक टिप्पणियां कीं, साथ ही 'अपने राज्य में जाओ' जैसे शब्दों से धमकाया। वीडियो वायरल होने के बाद मामला सुर्खियों में आया। आरोपी गिरफ्तार दिल्ली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रूबी जैन और हर्ष सिंह को गिरफ्तार कर लिया। उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 79 (महिला की मयार्दा भंग), 351(2) (आपराधिक धमकी), 196 (नस्ल/जन्म स्थान के आधार पर दुश्मनी फैलाना) सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है। जांच अब उच्च स्तर पर चल रही है यह मामला दिखाता है कि पूर्वोत्तर के प्रवासियों के प्रति पूर्वाग्रह अभी भी मौजूद है, जिसके खिलाफ सख्त कानूनी और सामाजिक कार्रवाई की जरूरत है।

जिम्बाब्वे पर बड़ी जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम गुरुवार को यहां सुपर-8 के अपने दूसरे मैच में जिम्बाब्वे पर बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम को पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका के हाथों 76 रनों की करारी हार का सामना करना पड़ा था। ऐसे में उसे सेमीफाइलन की उम्मीदें बनाये रखने के लिए इस मैच में बड़े अंतर से जीत चाहिये। भारतीय टीम के लिए हालांकि ये आसान नहीं है क्योंकि उसके शीर्ष क्रम के बल्लेबाज दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ असफल रहे थे। वहीं गेंदबाजी भी खास नहीं रही है। इसके अलावा जिम्बाब्वे का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है उसने लीग स्तर में ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका को हराया है। ऐसे में उसे कमजोर मानना भूल होगी।

दक्षिण अफ्रीका से मिली हार के बाद भारतीय टीका का रन रेट भी माइनस 3.80 हो गया है। इससे उससे सेमीफाइनल की उम्मीद बनाए रखने के लिए इस मुकाबले में बड़ी जीत चाहिये। इसके लिए पारी की शुरुआत और तीसरे नंबर की असफलता से उसे उबरना होगा। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा फार्म में नहीं है। वहीं नंबर तीन पर तिलक वर्मा भी अब तक बड़ी पारी नहीं खेल पाये हैं। केवल ईशान किशन ने ही अब रन बनाये हैं।

ऑफ स्पिनरों के सामने अभिषेक रन नहीं बना पा रहे हैं जिससे भी भारतीय टीम को भारत को नुकसान हो रहा है। इस टूर्नामेंट में चार मैचों में वह केवल 15 रन ही बना सके हैं जबकि उनका स्ट्राइक रेट 75 और औसत 3.75 रहा। ऐसे में उनकी जगह पर इस मैच में संजू सैमसन को उतारने की मांग हो रही है।

वहीं तिलक को भी अपने प्रदर्शन को बेहतर करना होगा। अब तक केवल ईशान ने ही 193 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं। वहीं कप्तान सूर्यकुमार यादव का स्ट्राइक रेट 127 रहा है जो उनके टी20 करियर के 161 के स्ट्राइक रेट से काफी कम है जिससे ईशान पर काफी दबाव बन गया है। शिवम दुबे और हार्दिक पांड्या ने अब तक अच्छा खेला है और निचले क्रम पर इन दोनो से आगे भी बेहतर बल्लेबाजी की उम्मीदें हैं। बायें हाथ के तीन बल्लेबाजों ईशान, अभिषेक और तिलक के सामने विरोधी टीमों ने पावरप्ले में आफ स्पिनरों का उपयोग कर इनपर अंकुश

लगाने का प्रयास किया है जिसमें वे सफल भी हुई हैं। इस मैच में ऑफ स्पिनरों की रणनीति को विफल करने के लिए संजू सैमसन को अवसर मिल सकता है। उनके आने से दाये और बाएं हाथ की सलामी जोड़ी बेहतर रहेगी। ऐसे में टीम प्रबंधन सूर्यकुमार को तीसरे और तिलक को चौथे नंबर पर उतार सकता है। वैसे चेपॉक की पिच से उन्हें काफी मदद मिल सकती है। जिम्बाब्वे के पास उतना खतरनाक स्पिन आक्रमण भी नहीं है। तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी , रिचर्ड एनगारावा और ब्राड इवांस को हालांकि कम नहीं आंका जा सकता है। गेंदबाजी में भी भारतीय टीम को वरुण चक्रवर्ती , जसप्रीत बुमराह से और बेहतर गेंदबाज की उम्मीद करनी होगी। पिछले मैच में भारतीय गेंदबाजों ने दक्षिण अफ्रीका के तीन विकेट 20 रन पर गिरा दिये थे पर बीच के दौर में कमजोर गेंदबाजी के कारण अफ्रीकी टीम 187 रन बनाने में सफल रही। जिससे भारतीय बल्लेबाज दबाव में आ गयी।

टीम इस प्रकार है

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, हार्दिक पांड्या, रिंकू सिंह, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, वरुण चक्रवर्ती, संजू सैमसन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह।

जिम्बाब्वे: सिकंदर रजा (कप्तान), ब्रायन बेनेट, रयान बर्ल, ग्रीम क्रेमर, बेन कुरेन, ब्रैड इवांस, क्लाइव मदांडे, टिनोटेंडा मापोसा, तदिवानाशे मारुमनी, वेलिंगटन मसाकाद्जा, टोनी मुनयोंगा, ताशिंगा मुसेकिवा, ब्लेसिंग मुजाराबानी, डायोन मायर्स, रिचर्ड एनगारवा।

शास्त्री ने टीम को सही रणनीति और संयोजन से उतरने की सलाह दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का कहना है कि अब टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर-8 में मिली करारी हार से सबक लेते हुए आगे के मैचों में सही संयोजन से उतरना होगा। इस मैच में मिली हार के बाद प्रबंधन के कई फैसलों पर भी सवाल उठे हैं। ऐसे में अब टीम के ऊपर बचे हुए दोनो मैचों को बड़े अंतर से जीतने का दबाब है। शास्त्री का कहना है कि अब टीम को अपने संयोजन पर फिर से विचार करना होगा।

शास्त्री ने कहा, 'आप लगातार 12 मैच जीतते हैं, तो एक खराब दिन आना तय है। शायद यही वह बदलाव है जिसकी भारत को जरूरत थी। यह टीम को अपनी रणनीति और संयोजन पर फिर से सोचने के लिए मजबूर कर सकता है। इस हार से उन्होंने यह सीख लिया होगा कि अब चीजों को हल्के में नहीं लिया जा सकता है क्योंकि सुपर 8 में अगर एक और मैच हारते हैं तो बाहर हो जाएंगे।'

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अक्षर पटेल की जगह पर टीम ने वाशिंगटन सुंदर को अवसर दिया पर सुंदर असफल रहे। अब अक्षर को वापस टीम में लाने की मांग बढ़ रही है। वहीं शास्त्री चाहते हैं कि सुंदर को भी टीम से बाहर न किया जाए। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि उन्हें अक्षर को वापस लाना चाहिए। आपको उनका अनुभव चाहिए। मैं कहूंगा कि दोनों को खिलाएं। स्वयं को एक अतिरिक्त विकल्प दें। किसी भी दिन एक गेंदबाज का खराब दिन हो सकता है, जैसे रविवार को वरुण चक्रवर्ती का हुआ था। वह अपने सर्वश्रेष्ठ पर नहीं थे और इसका नुकसान टीम को हुआ।' 'अगर अक्षर पटेल खेल रहे हैं, तो वह नंबर 8 पर बल्लेबाजी कर सकते हैं।,'

आईसीसी रैंकिंग में शीर्ष पांच में पहुंचे ईशान और फरहान

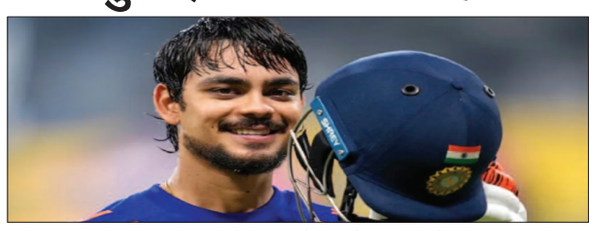

-गेंदबाजी में बॉश और फोर्ड ने लंबी छलांग लगायी

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की ताजा टी20 रैंकिंग में भारतीय टीम के बल्लेबाज ईशान किशन लंबी छलांग लगाकर शीर्ष पांच में पहुंच गये हैं। ईशान को टी20 विश्वकप में अच्छे प्रदर्शन का लाभ मिला है। वहीं भारतीय टीम के अभिषेक शर्मा हाल में खराब प्रदर्शन के बाद भी नंबर एक पर बरकरार हैं हालांकि उनकी रेटिंग 891 से घटकर 877 रह गई है। वहीं टूर्नामेंट में काफी रन बनाने वाले पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान भी दो पायदान ऊपर आकर तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट 815 रेटिंग्स के साथ दूसरे और साहिबजादा फरहान 810 रेटिंग्स के साथ तीसरे स्थान पर हैं। ईशान 742 रेटिंग्स के साथ पांचवें पायदान पर पहुंच गए हैं। भारत के खिलाफ आक्रामक पारी खेलने वाले दक्षिण अफ्रीका के उभरते हुए बल्लेबाज डेवाल्ड ब्रेविस शीर्ष 10 में पहुंच गये हैं। ब्रेविस ने 10 पायदान की लंबी छलांग लगाये है जिससे वह 9वें नंबर पर पहुंच गए हैं। वहीं पाकिस्तान के खिलाफ शतकीय पारी खेलने वाले हैरी ब्रूक 10 पायदान की छलांग लगाकर 18वें नंबर पर पहुंच गये हैं।

वहीं गेंदबाजी की बात करें तो भारतीय टीम के स्पिनर वरुण चक्रवर्ती पहले स्थान पर बने हुए हैं। वहीं भारत के ही तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भी छलांग लगाकर 8वें नंबर पर पहुंच गये हैं। इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बॉश 21 पायदान की लंबी छलांग लगाकर तीसरे नंबर जबकि वेस्टइंडीज के मैथ्यू फोर्ड 23 पायदान की छलांग लगाकर 7वें नंबर पर पहुंच गये हैं।

टी20 विश्वकप: इंग्लैंड सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनी, बचे हुए तीन स्थानों के लिए सात टीमों में मुकाबला

कोलंबो (एजेंसी)। पाकिस्तान के खिलाफ सुपर-आठ मुकाबले में जीत के साथ ही इंग्लैंड की टीम टी20 विश्व कप 2026 सेमीफाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। इंग्लैंड ने इससे पहले हुए सुपर-आठ मुकाबले में श्रीलंका को हराया। अपने दूसरे सुपर-8 मुकाबले में कप्तान हैरी ब्रूक की शानदार शतकीय पारी से इंग्लैंड ने पाकिस्तान को दो विकेट से हरा दिया। इस मैच पहले बल्लेबाजी करते हुए पाक टीम ने 164 रन बनाये और इंग्लैंड को जीत के लिए 165 रनों का लक्ष्य दिया। जिसे इंग्लैंड टीम ने कप्तान हैरी के शतक से 2 विकेट रहते हासिल कर लिया। हैरी टी20 विश्व कप के इतिहास में शतक लगाने वाले इंग्लैंड के पहले खिलाड़ी हैं। अब सेमीफाइनल के बचे अब तीन स्थानों के लिए कुल 7 दावेदारों के बीच मुकाबला है। सुपर-8 में शामिल अभी कोई टीम से टूर्नामेंट से बाहर नहीं हुई है।

पाकिस्तान : इंग्लैंड से हार के बाद भी पाक टीम अभी तक सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर नहीं हुई है। पाक का अंतिम मैच श्रीलंका से है। अगर पाकिस्तान वह मैच जीतता है और न्यूजीलैंड की टीम अपने अगले दोनों मैच हारती है तो पाक टीम सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी। वहीं अगर इंग्लैंड टीम एक भी मैच जीतती है तो तब फैसला नेट रन रेट के आधार पर होगा।

भारत: भारतीय टीम की स्थित सबसे कठिन है। पहले सुपर-8 मैच में दक्षिण अफ्रीका से मिली 76 रनों से हार के कारण भारतीय टीम का नेट रन रेट निगेटिव में है। ऐसे में उसे अपने दोनो बचे हुए मैच बड़े अंतर से जीतने के साथ ही अन्य मैचों के परिणामों पर भी नजर रखनी होगी।

श्रीलंका : मेजबान श्रीलंका को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए सबसे पहले अपने बचे दो मुकाबले न्यूजीलैंड और पाकिस्तान से अच्छे अंतर से जीतने होंगे। खिलाफ जीतने होंगे। अगर श्रीलंका ऐसा करता है तो उनके अधिकतम 4 अंक होंगे। ऐसे में उन्हें प्रार्थना करनी होगी कि कीवी टीम सुपर-8 में एक मैच हारे जिससे उसके अंक 3 से आगे न हों। ऐसे में श्रीलंका सेमीफाइनल में पहुंच सकती है।

न्यूजीलैंड: न्यूजीलैंड का सुपर-8 में अगले दो मैच श्रीलंका और इंग्लैंड के खिलाफ खेलने है। अगर न्यूजीलैंड इन दोनों मैचों में जीत दर्ज करता है तो उन्हें सेमीफाइनल में पहुंचने से कोई नहीं रोक सकता। कीवी टीम का पहला मुकाबला पाक से था जो बारिश के कारण नहीं हुआ था। जिससे उसके पास अभी एक अंक है। ।

दक्षिण अफ्रीका : भारत से पहला मैच जीतकर उसके दो अंक हैं और नेट रनरेट भी काफी अच्छा है। ऐसे हाराकर दक्षिण अफ्रीका की टीम अपने बचे हुए दोनो ही मैच वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे से जीतती है तो आसानी से सेमीफाइनल में पहुंच सकती है पर एक भी मैच हारने पर फैसला नेट रन रेट से होगा।

वेस्टइंडीज: वेस्टइंडीज ने जिम्बाब्वे से पहला मैच जीत लिया है। अब उन्हें सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए बचे दोनों मैच जीतने होंगे। इसमें अगर वेस्टइंडीज एक मैच हारती है तो फैसला नेट रन रेट से होगा।

जिम्बाब्वे : सिकंदर रजा की टीम भी अभी तक पूरी तरह से टूर्नामेंट से बाहर नहीं हुई है। उनके बचे दो कठिन मुकाबले भारत और दक्षिण अफ्रीका से है। उसे सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए पहले ये दोनों मैच जीतने होंगे, फिर नेट रन रेट के आधार पर उन्हें नॉकआउट में प्रवेश मिलेगा।

इटली में महिला क्रिकेटर के यौन शोषण का मामला सामने आया, आरोपी अधिकारी निलंबित

रोम । इटली में एक महिला क्रिकेटर के यौन शोषण के आरोपों के बाद क्रिकेट बोर्ड से जुड़े एक अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है। महिला क्रिकेटर के आरोपों के बाद ऑर्डिनेटर प्रबाथ एक्नेलिगोडा को क्रिकेट फेडरेशन ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। फेडरेशन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि इस मामले की जांच फेडरल प्रॉसिक्यूटर करेगा। यौन शोषण का ये मामला पिछले साल का बताया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक फेडरेशन ने कहा, साल 2025 के दौरान फेडरेशन की अध्यक्ष ने एथलीट्स और इससे जुड़े दूसरे पक्षों की पूर्ण सुरक्षा की अपनी जिम्मेदारियों का पालन करते हुए आरोपी अधिकारी को हर तरह की फेडरल से बाहर किये जाने का आदेश दिया है।बोर्ड ने अपने बयान में कहा कि हालातों का पूरी तरह से आंकलन अभी नहीं किया गया है। निलंबन का फैसला इसलि लिया गया है जिससे गैरजरुरी अटकलों पर रोक लगे और खेल का वातावरण साफ बना रहे। वहीं रिपोर्ट्स के मुताबिक आरोपी के वकील ने कहा है कि उसके खिलाफ साजिश हुई है।

आईपीएल के कारण टी20 क्रिकेट का बेहतर खिलाड़ी बना हूं: एनगिडी

मुम्बई । दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) खेलने का लाभ उन्हें मिला है। एनगिडी के अनुसार आईपीएल में मिले अनुभवों से ही उनकी गेंदबाजी बेहतर हुई है। इस तेज गेंदबाज के अनुसार टी20 अंतरराष्ट्रीय नहीं बल्कि आईपीएल के कारण उनका गेंदबाजी कौशल बेहतर हुआ है। वह 2018 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ जुड़े थे और इस दौरान उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला। इस दौरान उन्होंने वेस्टइंडीज के ड्वेन ब्रावो से धीमी गेंद की बारीकियां सीखी और तब से उनकी गेंदबाजी भी बदल गयी। इसी कारण वह इस बार विश्वकप में अच्छी गेंदबाजी करने में सफल रहे हैं।एनगिडी के अनुसार जब वह पहली बार आईपीएल खेलने के लिए उतरे तो उस सत्र में उन्हें ज्यादा अवसर नहीं मिले थे पर नेट्स में समय बिताने से उनकी गेंदबाजी निखर गयी। एनगिडी ने कहा कि उन्होंने धीमी गेंद, यॉर्कर, बैक ऑफ लेंथ स्लोअर डिलीवरी और धीमी बाउंसर पर लगातार काम किया। उन्होंने कहा कि एक ही एक्शन से अलग-अलग लेंथ और गति से गेंदबाजी आसान नहीं होती पर अभ्यास से से उनके लिए आसन हुआ है। बल्लेबाज के लिए अगली गेंद का अंदाजा लगाना कठिन बनाना ही उनका लक्ष्य रहता है। स्वदेश लौटने के बाद उन्होंने इस कौशल को बेहतर बनाने पर काम किया है। इसी कारण वह टी20 प्रारूप में अधिक प्रभावी गेंदबाज बन पाये हैं। एनगिडी ने भारतीय टीम के खिलाफ मुकाबल में भी कसी हुई गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में केवल 15 रन देकर भारतीय टीम पर दबाव बना था। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को उनकी गेंदों की दिशा और गति समझने में परेशानी हुई। एनगिडी ने कहा कि उन्होंने जानबूझकर ऑफ-कटर की जगह लेग कटर का इस्तेमाल किया, ताकि बल्लेबाज की तैयारी का अंदाजा लगाते हुए उसे हैरान किया जा सके। एनगिडी का मानना है कि आमतौर पर विरोध टीमों का ध्यान उनपर नहीं रहता जिसका लाभ भ उन्हें मिला है

एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालिफायर की तैयारियों में लगी है भारतीय टीम

-बेहतर प्रदर्शन करना चाहती है साक्षी

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम आजकल मुख्य कोच शॉर्ड मारिन के मार्गदर्शन में एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 क्वालिफायर की तैयारियों में लगी है। टीमें में शामिल उभरती हुई मिडफील्डर साक्षी राणा भी अभ्यास में लगी हुई है और अपनी ओर से और बेहतर प्रदर्शन करना चाहती है। साक्षी का कहना है कि वह हर दिन यही सोचकर मैदान पर उतरती हैं कि उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। इस शिविर में मुख्य कोच मारिन के अलावा वैज्ञानिक सलाहकार वेन लोम्बार्ड भी खिलाड़ियों की सहायता कर रहे हैं।

वहीं साक्षी ने कहा, हर दिन मैं यह सोचकर बाहर निकलती हूं कि मुझे अपना

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है। अगर मैं क्वालिफाइंग राउंड में खेलती हूं, तो मेरा लक्ष्य टीम की जीत में योगदान देना है। आजकल हम हर दिन अभ्यास कर रहे हैं और कोच द्वारा बनायी योजना को पूरी तरह लागू करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोचिंग स्टाफ टीम की कमजोरियों पर विशेष ध्यान दे रहा है। फिटनेस, ताकत और रिकवरी पर लगातार काम हो रहा है। लोम्बार्ड खिलाड़ियों को शारीरिक क्षमता और रिकवरी के महत्व को समझा रहे हैं।

साक्षी ने कहा कि सीनियर खिलाड़ियों से भी पूरा सहयोग मिल रहा है। टीम में सकारात्मक माहौल है और सभी खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। कोच ने साक्षी को मैदान में संवाद शैली भी ठीक करने को कहा है। वह सेंटर मिडफील्ड में खेलती हैं, इसलिए खेल को तेजी से पढ़ना और सही समय पर पास देना उसके लिए सबसे जरूरी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दबाव तेजी से बनता है, ऐसे में समय पर फैसला लेना भी जरुरी है। भारतीय टीम को पहले क्वालिफायर में 8 मार्च को तेलंगाना के हैदराबाद में उरुग्वे से खेलना है। इसके बाद टीम 9 मार्च को स्कॉटलैंड और 11 मार्च को वेल्स का सामना करेगी।

बाबर आजम विश्वकप में सबसे धीमी बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ी बने

कोलंबो । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के बल्लेबाज बाबर आजम ने टी20 विश्वकप के दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 24 गेंदों पर 25 रनों रन ही बनाये। इस दौरान बाबर केवल दो चौके ही लगा पाये और उनका स्ट्राइक रेट 104.17 का था। इसके साथ ही उनके नाम सबसे धीमी बल्लेबाजी का अनचाह रिकार्ड दर्ज हो गया है। यह पहली बार नहीं है जब बाबर ने इतनी धीमी बल्लेबाजी की है। विश्वकप में अगर धीमी बल्लेबाजी करने वाले खिलाड़ियों की सूची पर नजर डालें तो उनमें सबसे खराब स्ट्राइक रेट बाबर का ही है। शीर्ष-5 बल्लेबाजों की इस सूची में दो और पाकिस्तानी भी मौजूद हैं। बाबर ने साल 2021 में इस टूर्नामेंट में डेब्यू किया था। तब से लेकर वह अभी तक 23 पारियां में उन्होंने 640 रन बनाए हैं। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट मात्र 111.5 का रहा है, जो कम से कम टी20 वर्ल्ड कप में 500 रन बनाने वाले खिलाड़ियों में सबस कम है। बाबर आजम ने इस सूची मे अपने ही देश के मोहम्मद हफीज को ही पीछे छोड़ दिया है। हफीज का टी20 वर्ल्ड कप में स्ट्राइक रेट 111.8 का था। सूची में तीसरे नंबर पर पाकिस्तान के ही मोहम्मद रिजवान है। उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप में 113 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। वहीं श्रीलंका के कुमार संगकारा ने 112.2 - जबकि न्यूजीलैंड के केन विलियमसन ने 112.5 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये।

ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और इंग्लैंड के साथ खेलेगी दक्षिण अफीकी टीम : सीएसए

प्रिटोरिया । क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने कहा है कि उनकी टीम आने वाले समय में ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और इंग्लैंड के साथ टेस्ट और सीमित ओवरों की सीरीज खेलेगी। इसी का कार्यक्रम उसने जारी किया है। सीएसए के अनुसार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 24 से 30 सितंबर के बीच किंग्समीड स्टेडियम से शुरू होगी। वहीं इसके बाद टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीसी) के लिए तीन टेस्ट मैच खेलेगी। ये मैच नौ अक्टूबर से डरबन में खेले जाएंगे। इसके बाद गकेबरहा में 18 अक्टूबर से और न्यूलैंड्स में 27 अक्टूबर से तीसरा टेस्ट खेला जाएगा। इसके बाद बांग्लादेश से दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। इसका पहला मैच 15 से 19 नवंबर तक वांडरर्स स्टेडियम में होगा, जबकि दूसरे मैच 23 से 27 नवंबर तक सेंचूरियन में खेला जाएगा। वहीं इसके बाद 1 से 7 दिसंबर के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेली जाएगी। इसके अलावा 10 से 13 दिसंबर के बीच टी-20 मुकाबले किम्बरली, बेनोनी और सेंचुरियन में खेले जाएंगे। इसके बाद इंग्लैंड के साथ तीन मैचों की टेस्ट सीरीज 17 दिसंबर से वांडरर्स स्टेडियम में शुरू होगी। इसके बाद में पारंपरिक बॉक्सिंग डे टेस्ट और न्यूलैंड्स क्रिकेट ग्राउंड में नए साल का टेस्ट होगा। दक्षिण अफ्रीका का घरेलू सीजन 10 जनवरी से इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के साथ समाप्त होगा। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कार्यकारी अधिकारी फोलेत्सी मोसेकी ने कहा, हम इन तीनों टीमों के साथ खेलने को लेकर उत्साहित हैं। इससे हमारी टीम और बेहतर होकर उभरेगी।

टी20 विश्व कप में टीम इंडिया की फ्लॉप बैटिंग पर कोच सितांशु कोटक का बयान, 'हमें पॉजिटिव रहना होगा'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने गुरुवार को आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के सुपर आठ चरण में जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाले करो या मरो के मुकाबले से पहले टीम इंडिया से सकारात्मक रहने और बेहतर क्रिकेट खेलने का आग्रह किया है। टीम इंडिया को सुपर आठ चरण के पहले मैच में 76 रनों की शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा, जिससे मौजूदा चैंपियन टीम मुश्किल दौर में आ गई है।

टीम इंडिया को खिताब की दौड़ में बने रहने के लिए अपने सभी बचे हुए मैच जीतने होंगे और साथ ही यह भी उम्मीद करनी होगी कि दक्षिण अफ्रीका सुपर आठ चरण में अपराजित रहे। भारत के बल्लेबाज अब तक टूर्नामेंट में कोई खास कमाल नहीं दिखा पाए हैं, उनका औसत मात्र 20 है, जो सुपर आठ में क्वालीफाई करने वाली टीमों में सबसे कम है। टीम ने 11 बार शून्य पर आउट होकर बल्लेबाजी की है, जो बल्लेबाजी में शुरुआती अच्छी शुरुआत को बड़े स्कोर में बदलने की कठिनाई को उजागर करता है।

जिम्बाब्वे के खिलाफ अहम मुकाबले से पहले टीम के खराब प्रदर्शन के कारणों और इससे निपटने की योजना के बारे में पूछे जाने पर, कोटक ने मैच से पहले की प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सभी द्विपक्षीय मैचों को देखें तो बल्लेबाजी वाकई अच्छी चल रही थी। मुझे लगता है कि इस विश्व कप में भी, पिछला मैच थोड़ा चिंताजनक था क्योंकि लगभग डेढ़ साल में, हमने सिर्फ दो बार ही 150 से कम रन बनाए हैं। इसलिए मैं इस बात पर ध्यान नहीं दे रहा हूं कि कोई कितनी बार असफल हुआ या कैसे, क्योंकि फिर हम उनकी बल्लेबाजी पर दबाव डालना शुरू कर देते हैं। लेकिन पिछले मैच को भी मुझे लगता है कि हमें सहजता से लेना चाहिए कि यह पिछले दो सालों में हमारा सबसे खराब मैच था, इसलिए ईमानदारी से कहूं तो हमें इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचना चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए। विश्व कप में, खासकर हमारे सलामी बल्लेबाजों का प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा जितना हम चाहते थे। कोटक ने इस बात पर जोर दिया कि हालांकि टीम का हालिया प्रदर्शन उम्मीदों से कम रहा है, लेकिन व्यक्तिगत असफलताओं पर अत्यधिक ध्यान देने से अनावश्यक दबाव बढ़ सकता है। उन्होंने तैयारी और रणनीतिक योजना के महत्व पर जोर दिया, साथ ही विपक्षी गेंदबाजी रणनीतियों का विश्लेषण करने की बात कही ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि टीम शेष मैचों में प्रभावी ढंग से अनुकूलन और प्रतिक्रिया कर सके।

पावरप्ले में ऑफ-स्पिनरों के खिलाफ सहज नहीं सलामी बल्लेबाज : अभिषेक नायर

मुम्बई । भारतीय टीम के पूर्व सहायक कोच रहे अभिषेक नायर ने कहा है कि आईसीसी पुरुष टी20 विश्वकप में अब तक टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाजों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। अभिषेक के अनुसार सुपर 8 स्तर में सलामी जोड़ी संघर्ष करती दिखी है। वहीं पावरप्ले में ऑफ-स्पिनरों के खिलाफ बल्लेबाज सहज नहीं दिखे। अब तक केवल। ईशान किशन ही रन बनाने में सफल रहे हैं। ईशान ने 5 मैचों में 35.20 के औसत से 176 रन बनाए हैं। वहीं बल्लेबाज अभिषेक शर्मा अब तक असफल रहे हैं। वह चार मैचों में से तीन में खाता भी नहीं खोल पाये। वहीं चौथे मैच में उन्होंने 15 रन बनाए हैं। नायर ने कहा कि शीर्ष क्रम अभी तक सहज होकर नहीं खेल पा रहा। नई गेंद से ऑफ-स्पिनर विविधता ला रहे हैं जिससेस भी बल्लेबाजों के लिए पावरप्ले के ओवरों में शॉट लगाना कठिन हो रहा है। उन्होंने कहा कि वेस्टइंडीज भी पारी की शुरुआत में रोस्टन चेस से गेंदबाजी करा सकती है। ऐसे में भारतीय सलामी बल्लेबाजों को सावधान रहना होगा। भारतीय टीम को अब टूर्नामेंट में बने रहने के लिए बचे हुए दो सुपर-8 मैच बड़ं अंतर से जीतने होंगे। भारतीय टीम को अब अगले मैच में जिम्बाब्वे और फिर वेस्टइंडीज से खेलना है।

महिलाओं से ऑर्डर लेने में पुरुषों को होती है दिक्कत

अभिनेता बरुण सोबती हाल ही में नेटफ्लिक्स की सीरीज 'कोहरा' के दूसरे सीजन में नजर आए हैं। सीरीज में उनके काम को काफी पसंद किया गया है। अब अभिनेता ने इंडस्ट्री में महिलाओं को लेकर बन रही फिल्मों और काम पर बात की। साथ ही उन्होंने महिलाओं के अधिकार को लेकर पुरुषों की इनसिक्योरिटी को लेकर बात करते हुए इसे एक आम समस्या बताया है। बरुण ने 'कोहरा 2' को लेकर कहा कि सीरीज में दिखाया गया शक्ति समीकरण प्रोफेशनल जीवन में लोगों की असल सोच को दिखाता है। उन्होंने कहा कि यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप किस परिवार में पले-बढ़े हैं। लेकिन हां, यह एक आम धारणा है और हम इसे नकार नहीं सकते। स्पष्ट है कि पुरुषों को मजबूत महिलाओं से परेशानी होती है। उनसे आदेश लेना आज भी एक बड़ी बात है। यहां तक कि जब कोई महिला किसी बहस में अपनी बात मजबूती से रखती है, तो मैंने पुरुषों को असहज होते देखा है। मैं सभी पुरुषों की बात नहीं कर रहा हूं, लेकिन ज्यादातर मामलों में ऐसा ही होता है। अपने करियर में ओटीटी की महत्वा पर बात करते हुए एक्टर ने कहा कि ओटीटी शो के सफल होने के बाद चीजें बदल गईं। इसकी शुरुआत 'असुर' से हुई। वह लोकप्रिय था, लेकिन 'कोहरा' के साथ बात बदल गई। कुछ शो आम लोग देखते हैं और कुछ शो सिर्फ इंडस्ट्री के लोग देखते हैं। 'कोहरा' को इंडस्ट्री के लोग देखते थे और तभी से मुझे ज्यादा काम मिलने लगा। स्ट्रीमिंग कंटेंट ने कई अभिनेताओं के लिए अवसर पैदा किए हैं। कोहरा ने मुझे एक नई पहचान दिलाई है। बरुण सोबती 'कोहरा' के पहले सीजन में भी प्रमुख भूमिका में नजर आए हैं। उनका किरदार दूसरे सीजन में भी उतना ही प्रमुख है। इस बार वो मोना सिंह के साथ प्रमुख भूमिका में हैं। सीरीज में दिखाया गया है कि मोना सिंह के किरदार से ऑर्डर लेने में उन्हें असहजता महसूस होती है, क्योंकि एक महिला उनकी बॉस है। 'कोहरा' के अलावा बरुण 'असुर' के दोनों सीजन में भी अहम भूमिका में नजर आए हैं।

प्रियंका चोपड़ा ने हॉलीवुड करियर को लेकर किए खुलासे

बताई 'द ब्लफ' से जुड़ी बातें

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा बॉलीवुड ही नहीं बल्कि हॉलीवुड सिनेमा पर भी राज कर रही हैं। प्रियंका की हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' 25 फरवरी को रिलीज हो रही है। हाल ही में प्रियंका ने अपनी फिल्म 'द ब्लफ' के अलावा अपने हॉलीवुड करियर को लेकर कई खुलासे किए हैं। साथ ही प्रियंका ने यह भी बताया कि उनके लिए 'द ब्लफ' क्यों खास है?

प्रियंका का हॉलीवुड करियर

प्रियंका चोपड़ा जोनस ने हॉलीवुड करियर में अपनी उन्नति के बारे में कहा, 'मुझे अभी भी ऐसा नहीं लगता कि मैं सफलता के सबसे ऊपर पहुंच गई हूं, लेकिन मुझे अपनी काबिलियत पर पूरा भरोसा है।'

खुद पर भरोसा करती हैं प्रियंका

प्रियंका ने आगे कहा, 'जब मैं पहली बार हॉलीवुड आई थी, तब से मैंने कभी खुद को कमजोर नहीं महसूस किया। भले ही लोग मुझे जानते नहीं थे, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था। मुझे पता था कि मैं क्या कर सकती हूं और मेरी क्या कीमत है। मेरा आत्मविश्वास कभी कम नहीं हुआ। हो सकता है मुझे कम मौके मिले हों या कम कामयाबी मिली हो, लेकिन मुझे अपने टैलेंट और मेहनत करने की ताकत पर हमेशा भरोसा रहा।'

किसकी तरह बनना चाहती हैं प्रियंका

प्रियंका ने कहा, 'मैं बहुत मेहनत करने वाली हूं। किसी भी रोल या किरदार को अच्छे से निभाने के लिए मैं बहुत समय और मेहनत लगाती हूं। लेकिन ये सोचना कि मैं सफलता की मंजिल पर पहुंच गई हूं? ऐसा कभी नहीं हुआ। मुझे आज भी लगता है कि मैं अभी वहां नहीं पहुंची। बहुत से शानदार लोग हैं, जिन्होंने कमाल का काम किया है और मैं भी उनके जैसा बनना चाहती हूं।'

कैसी फिल्में करना पसंद करती हैं प्रियंका

प्रियंका ने आगे बताया कि उन्हें कैसी फिल्में करना पसंद हैं। प्रियंका ने कहा, 'मुझे अलग-अलग तरह की कहानियां और जॉनर आजमाना बहुत पसंद है, इसलिए फिल्म 'द ब्लफ' को करके मुझे बहुत खुशी हुई।' फिल्म 'द ब्लफ' 25 फरवरी को प्राइम वीडियो पर रिलीज हो रही है।

'द ब्लफ' के बारे में

प्रियंका चोपड़ा जोनस ने अपनी नई फिल्म 'द ब्लफ' के बारे में कहा, ''द ब्लफ' मेरी फिल्मों में एक नया बदलाव लाने वाली फिल्म है। मुझे लगता है कि यह मेरी फिल्मोग्राफी में, खासकर अंग्रेजी फिल्मों में, विविधता लाने की दिशा में एक अच्छा कदम है। यह फिल्म संस्कृति और इतिहास की गहराई को छूती है, लेकिन साथ ही यह एक मजेदार, भावुक और रोमांचक समुद्री डाकू फिल्म भी है। इसमें ढेर सारा ड्रामा, एक्शन और भावनाएं हैं।'

कब रिलीज होगी 'द ब्लफ'

'द ब्लफ' एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है। इसका निर्देशन फ्रैंक ई. फ्लावर्स ने किया है। इसकी पटकथा फ्लावर्स और जो बॉलारिनी ने मिलकर लिखी है। इस फिल्म में प्रियंका चोपड़ा, कार्ल अर्बन, इस्माइल क्रूज कॉर्डोवा, सफिया ओकले-ग्रीन और टेमुएरा मॉरिसन ने अभिनय किया है। फिल्म 'द ब्लफ' 25 फरवरी को प्राइम वीडियो पर रिलीज हो रही है।

विजय सेतुपति के साथ नजर आएंगी मालविका मोहनन

तमिल सिनेमा के मशहूर निर्देशक त्यागराजन कुमारराजा ने अपनी आगामी फिल्म का नाम 'पॉकेट नॉवेल' रखा है। हाल ही में इसकी आधिकारिक घोषणा हुई। इस फिल्म में विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। निर्माताओं ने हाल ही में फिल्म 'पॉकेट नॉवेल' का पोस्टर जारी किया है, जिसमें विजय सेतुपति का आधा चेहरा दिखाई दे रहा है। बैकग्राउंस में पोस्टर का रंग लाल है, जिसकी वजह से यह पोस्टर और ज्यादा इंटेंस लग रहा है। फिल्म के पोस्टर के साथ निर्माताओं ने इस फिल्म की स्टार कास्ट के बारे में भी अहम जानकारी दी है। इस फिल्म में विजय सेतुपति मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म में मालविका मोहनन और राज बी शेट्टी के अलावा किशोर भी एक अहम किरदार में नजर आएंगे। प्रोडक्शन कंपनी टायलर डर्डन एंड किंग फिस्ट ने सोशल मीडिया पर फिल्म का टाइटल पोस्टर जारी किया है। इसके साथ ही यह भी बताया कि सोमवार से शूटिंग शुरू हो चुकी है। पोस्टर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'त्यागराजन कुमारराजा की फिल्म 'पॉकेट नॉवेल' की शूटिंग शुरू।' 'पॉकेट नॉवेल' का संगीत इलैयाराजा तैयार कर रहे हैं। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी की जिम्मेदारी नीरव शाह के कंधों पर है। इस फिल्म की कहानी और पटकथा एंड्रयू लुईस ने लिखी है। वहीं इस फिल्म के गाने युग भारती ने लिखें हैं। विजय की इस फिल्म की घोषणा से फैंस और सिनेमा प्रेमियों के बीच काफी उत्साह देखने को मिल रहा है।

मेरे लिए अपनी फिल्में चुनना बहुत मुश्किल है

साउथ सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस रेजिना कैसेंड्रा ने साल 2019 में फिल्म 'एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। मूल रूप से तेलुगू और तमिल फिल्मों में काम करने वाली रेजिना इसके बाद 'जाट', 'केसरी चैप्टर 2' जैसी फिल्मों, ओटीटी पर 'राकेट बॉयज' और 'फर्जी' जैसी हिंदी वेब सीरीज में भी नजर आ चुकी हैं। बीते साल अजित कुमार की फिल्म 'विदामुयार्ची' में नजर आ चुकीं रेजिना कैसेंड्रा ने इंटरव्यू में कहा, 'मैं एक साउथ इंडियन एक्ट्रेस थी। ज्यादातर साउथ इंडियंस की तुलना में, मेरी हिंदी बहुत बेहतर है। मैं हिंदी पढ़, लिख और बोल सकती हूं, और मैंने अब तक इस भाषा में जो भी काम किया है, वह मेरी अपनी आवाज में है। यह मेरी अपनी हिंदी है, और मैंने हमेशा यह कोशिश की है कि मैं उस रोल पर खरी उतरूं जो मुझे दिया गया है। लेकिन हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में मुझे घर जैसा महसूस होने में समय लगा।'

रेजिना कैसेंड्रा आगे हिंदी फिल्म इंडस्ट्री को लेकर कहती हैं, 'बहुत से लोगों ने मेरे साथ बुरा बर्ताव किया। सिर्फ बातों से नहीं, बल्कि अपने काम से भी। यह मेरे लिए एक तरह का बुरा नजरिया है। मेरा मतलब है, कोई भी बता सकता था कि मुझे एक खास तरह से नीचा दिखाया जा रहा था। मैंने यह महसूस किया। इसलिए नॉर्थ में मुझे कुछ हिचकिचाहट थी। लेकिन, हमेशा ऐसा नहीं होता, है ना?' जब रेजिना कैसेंड्रा से पूछा गया कि इस तरह के हालात में भी उन्होंने 'केसरी चैप्टर 2', 'रॉकेट बॉयज', 'फर्जी' और 'जाट' जैसे प्रोजेक्ट्स पर काम किए हैं, तो वह बताती हैं, 'जब मैं लोगों के आस-पास होती हूं, तो मुझे लगता है कि वे मेरा वह पहलू देखते हैं, जिसमें मैं लगातार सीखती हूं। मैं जिस भी इंडस्ट्री में हूं, मैं किसी न किसी तरह उसे घर जैसा महसूस करती हूं। मुझे लगता है कि इस इंडस्ट्री में एक महिला होने के नाते, हमारे लिए स्टीरियोटाइप होना बहुत आसान है। मेरा मतलब है, यह सिर्फ इसलिए है क्योंकि आखिर में यह एक विजुअल मीडियम है, और एक बार जब आप कुछ देखते हैं, तो वह आपके दिमाग में बैठ जाता है। लेकिन मैं हमेशा वर्सेटाइल बनना चाहती थी। इसलिए, मेरे लिए अपनी फिल्में चुनना बहुत मुश्किल है, क्योंकि मैं हमेशा मेनस्ट्रीम कमर्शियल फिल्में नहीं करना चाहती।'

'जय हनुमान' में अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे राणा दग्गुबाती

प्रशांत वर्मा के डायरेक्शन में बन रही 'जय हनुमान' फिल्म को लेकर एक दिलचस्प खबर आई है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ऋषभ शेट्टी स्टारर इस फिल्म में राणा दग्गुबाती को कास्ट किया गया है।

ऋषभ शेट्टी ने बीते साल 'कांतारा चैप्टर 1' से बॉक्स ऑफिस पर खूब धूम मचाई। मूल रूप से कन्नड़ में बनी इस फिल्म ने दुनियाभर में 852.36 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया। अब ऋषभ शेट्टी अपनी मोस्ट अवेटेड फिल्म 'जय हनुमान' की तैयारी में जुटे हुए हैं। बीते दिनों इसका फर्स्ट पोस्टर रिलीज हुआ, तो ऋषभ शेट्टी को बजरंग बली के अवतार में देखकर फैंस की बांछे खिल गई थीं। अब ताजा जानकारी ये आ रही है कि इस फिल्म में राणा दग्गुबाती की एंट्री हुई है! जी हां, रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि 'बाहुबली' के भल्लालदेव अब 'जय हनुमान' में एक अहम भूमिका निभाते हुए नजर आएंगे। हालांकि, इसकी आधिकारिक घोषणा अभी नहीं हुई है। ऋषभ शेट्टी की 'जय हनुमान' साल 2024 की पौराणिक एक्शन ड्रामा ब्लॉकबस्टर 'हनु-मान' का सीक्वल है। रिपोर्ट के मुताबिक, राणा दग्गुबाती को इस सीक्वल में एक अहम रोल के लिए अप्रचो किया गया है। बातचीत आखिरी दौर में है। यदि सब कुछ ठीक रहा, तो राणा इसी साल मार्च या अप्रैल 2026 में इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर देंगे।

'जय हनुमान' को मैथरी मूवी मेकर्स, टी-सीरीज के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर प्रोड्यूस कर रही है। एक नई खबर यह भी है कि इस फिल्म को इसी महीने ऐतिहासिक शहर हम्पी में लॉन्च किया जाएगा। ऋषभ शेट्टी इस सीक्वल में भगवान हनुमान का रोल निभा रहे हैं। हालांकि, राणा दग्गुबाती का किरदार क्या होगा, इसको लेकर कोई जानकारी नहीं आई है।

मार्च-अप्रैल में शुरू होगी शूटिंग

2024 में तेजा सज्जा की 'हनु-मान' बनी थी ब्लॉकबस्टर

बीते साल 2025 में, मेकर्स ने 'जय हनुमान' का पोस्टर रिलीज किया था। यह डायरेक्टर प्रशांत वर्मा के 'प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स' का अगला चैप्टर है। साल 2024 में तेजा सज्जा स्टारर उनकी फिल्म 'हनु-मान' ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता हासिल करते हुए वर्ल्डवाइड 295.29 करोड़ रुपये की ग्रॉस कमाई की थी।

'जय हनुमान' में ऋषभ शेट्टी की कास्टिंग ने बढ़ाई एक्साइटमेंट

बीते साल अक्टूबर की शुरुआत में, 'जय हनुमान' के मेकर्स ने ऋषभ शेट्टी का फर्स्ट-लुक पोस्टर रिलीज किया था। इससे पहले फिल्म की कास्टिंग को लेकर कोई जानकारी नहीं दी गई थी। ऐसे में जब पोस्टर आया और उसमें ऋषभ शेट्टी टाइटल रोल में दिखे तो सोशल मीडिया पर फैंस के बीच तहलका मच गया। फर्स्ट-लुक पोस्टर में वह एक खाली पड़े मंदिर में भगवान राम की मूर्ति के सामने घुटने टेकते हुए दिख रहे हैं।

'जय हनुमान' के बाद भगवान इंद्र पर फिल्म बनाएंगे प्रशांत वर्मा

डायरेक्टर प्रशांत वर्मा अपने 'प्रशांत वर्मा सिनेमैटिक यूनिवर्स' में पौराणिक कथाओं को सुपरहीरो अंदाज में पेश कर रहे हैं। वह 'हनु-मान' और 'जय हनुमान' के बाद भगवान इंद्र पर भी एक फिल्म बना रहे हैं, जिसमें एक्टर नंदमुरी बालकृष्ण के बेटे मोक्षग्न लीड रोल में होंगे।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।